सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

*" योग्यताएँ कर्म से पैदा होती हैं, जन्म से हर व्यक्ति शून्य होता है
जब इंसान करवट लेता है, तो दिशा बदल जाती है,
और जब वक्त करवट लेता है, तो दशा बदल जाती है ...!! "*
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-115 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 15 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सीएम साय ने गृहमंत्री शाह से की मुलाकात, बस्तर में बदलाव और योजनाओं पर चर्चा

स्वस्थ बस्तर और बस्तर मुन्ने अभियान से दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा शिविर बन रहे जन सुविधा केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बैठक में बस्तर में तेजी से हो रहे सकारात्मक बदलावों, जनकल्याणकारी पहलों और विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे।

दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं

मुख्यमंत्री साय ने गृहमंत्री शाह को बताया कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान और बस्तर मुन्ने अभियान के माध्यम से पूर्व नक्सल प्रभावित और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं, जनसुविधाएं और शासन की योजनाएं पहुंचाई जा रही हैं। जिन इलाकों में कभी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना कठिन था, वहां आज स्वास्थ्य टीमें नियमित रूप से जाकर लोगों की जांच, उपचार और आवश्यक सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं।

सुरक्षा शिविर बन रहे जन सुविधा केंद्र

सीएम साय ने जानकारी दी कि बस्तर में पुराने सुरक्षा शिविरों को धीरे-धीरे जन सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों पर ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग और शासकीय योजनाओं से जुड़ी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल रही हैं। इससे वनांचल क्षेत्रों के लोगों का जीवन आसान हुआ है और शासन के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।

समग्र विकास पर हुई चर्चा

बैठक में बस्तर के समग्र विकास, जनविश्वास को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, रोजगार और आधारभूत संरचना से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार बस्तर को शांति, विकास, विश्वास और आत्मनिर्भरता के नए युग की ओर ले जाने का प्रयास कर रही है।

जांजगीर-चांपा : चौहरे हत्याकांड का खुलासा, आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

जमीन विवाद में अपने ही परिवार के चार लोगों की हत्या, आरोपी सोनसाय भाई की हत्या में काट चुका है आजीवन

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

ग्राम भंवतरा में एक ही परिवार के चार सदस्यों की धारदार हथियार से निर्मम हत्या के सनसनीखेज मामले का शिवरीनारायण पुलिस ने कुछ ही घंटों में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोनसाय कश्यप अपने सगे भाई की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट चुका है।

सुबह मिली थी चार हत्याओं की सूचना

प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पॉल ने बताया कि गुरुवार सुबह सूचना मिली थी कि थाना शिवरीनारायण के पुलिस सहायता केंद्र राहौद क्षेत्र के ग्राम भंवतरा में अज्ञात व्यक्ति ने एक ही परिवार के चार लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। सूचना पर थाना पुलिस, एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंची। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी निवेदिता पॉल और एएसपी उमेश कश्यप ने घटनास्थल पहुंचकर तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

जमीन विवाद बना हत्या की वजह

पुलिस और साइबर टीम ने तकनीकी व भौतिक साक्ष्यों के आधार पर मृतक मेदनीराम कश्यप के पुत्र सोनसाय कश्यप और उसके बेटे गोलू कश्यप से पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ में दोनों ने पारिवारिक जमीन विवाद में हत्या करना कबूल कर लिया।

भाई की हत्या में काट चुका है सजा

जांच में सामने आया कि आरोपी सोनसाय कश्यप वर्ष 2009 में अपने सगे छोटे भाई पुनाउराम की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट चुका है। करीब दो साल पहले जेल से रिहा हुआ था। जेल से लौटने के बाद से ही पिता मेदनीराम कश्यप से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। मृतक की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ पहले प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई थी।

पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतकों में मेदनीराम कश्यप (70), पत्नी कांती बाई (65), नातिन मोगरा (25) और नाती पीतांबर (17) शामिल हैं।

रील बनाने के चक्कर में अहिरन नदी में डूबा युवक, दोस्त समझते रहे एक्टिंग कर रहा है

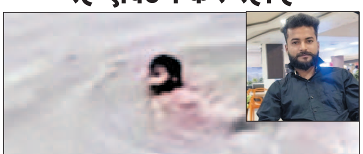

तीन मिनट तक पानी में तड़पता रहा निखिल, 48 घंटे बाद मिला शव

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

कुसमुंडा थाना क्षेत्र में रील बनाने के दौरान अहिरन नदी में 25 वर्षीय युवक निखिल सिंह की डूबकर मौत हो गई। दोस्त वीडियो बनाते रहे और तीन मिनट तक पानी में हाथ-पैर मारते निखिल को एक्टिंग समझते रहे। पूरी घटना मोबाइल में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

ऊंचाई से लगाई थी छलांग

निखिल सिंह एसईसीएल कुसमुंडा कमर्चारी का बेटा था। मंगलवार दोपहर वह अपने तीन दोस्तों के साथ अहिरन नदी नहाने गया था। नहाने के दौरान उसने ऊंचाई से छलांग लगाकर रील बनाने का फैसला किया। दोस्तों ने मोबाइल कैमरा ऑन कर वीडियो बनाना शुरू किया।

मस्ती समझते रहे दोस्त

वीडियो में दिख रहा है कि छलांग लगाने के बाद निखिल करीब तीन मिनट तक पानी में संघर्ष करता रहा। उसके हाथ-पैर मारने को दोस्त मजाक और रील की मस्ती समझते रहे। इस बीच निखिल गहरे पानी में डूब गया। किसी ने उसे बचाने के लिए पानी में छलांग नहीं लगाई।

दो दिन चला सर्च ऑपरेशन

हादसे के बाद दोस्तों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। पुलिस और गोताखोरों ने दो दिनों तक रेस्क्यू अभियान चलाया। बुधवार देर शाम 48 घंटे बाद निखिल का शव पानी में ऊपर तैरता मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुर्ग में दो हाईवा वाहनों की टक्कर

दुर्ग। पुलगांव थाना क्षेत्र में देर रात भारती कॉलेज के पास दो हाईवा वाहनों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और चालक अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही पुलगांव पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी गुरविंदर सिंह संधू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बिना देरी किए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने के लिए जेसीबी मशीन भी मंगाई गई। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों चालकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घायल चालकों की पहचान विजय कुमार यादव (23, निवासी गोटाटोला बांधाबाजार, मोहला मानपुर) और वीरेंद्र (34, निवासी झारखंड) के रूप में हुई है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पेट्रोल-डीजल को लेकर उमड़ी भीड़, कई पंपों पर स्टॉक खत्म : मुख्यमंत्री साय ने कहा- प्रदेश में पर्याप्त भंडारण

कीमतों में उछाल से नाराजगी, सीएम बोले- केवल जरूरत भर लें ईंधन, आपूर्ति सामान्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भिलाई

कल शाम से भिलाई, दुर्ग समेत छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में पेट्रोल-डीजल पंपों पर अचानक भीड़ उमड़ पड़ी। कई पंपों पर स्टॉक खत्म हो गया और पेट्रोल की कीमतों में उछाल आने से लोगों में नाराजगी देखी गई। पंपों के बाहर लंबी कतारों और ह्यपेट्रोल खत्मह्न के बोर्डों ने संकट जैसे हालात बना दिए। इन हालात के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडारण है और लोग अफवाहों से दूर रहें।

मुख्यमंत्री ने दी सफाई

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। सभी ऑयल डिपो में नियमित रूप से ईंधन की आपूर्ति की जा रही है। प्रदेश सरकार और ऑयल कंपनियां मिलकर स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं। उन्होंने बताया कि वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए भारत सरकार ने भी प्रभावी तैयारियां कर रखी हैं और आपूर्ति को लेकर कोई समस्या नहीं है।

प्रधानमंत्री की अपील का हवाला

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों से अनावश्यक खरीदारी और संग्रहण से बचने की अपील की है। उन्होंने लोगों से संयम, जागरूकता और जिम्मेदारी दिखाने को कहा। मुख्यमंत्री ने आग्रह किया कि केवल आवश्यकता अनुसार ही ईंधन लें और किसी भी भ्रामक सूचना या अफवाह से दूर रहें।

जमीन पर दिखे संकट के नजारे

बुधवार शाम से भिलाई-दुर्ग के साथ रायपुर, बिलासपुर, कोरबा समेत कई जिलों के पंपों पर अचानक भीड़ बढ़ गई। डर के कारण लोग टंकी फुल कराने पहुंचे, जिससे कई जगह पेट्रोल-डीजल खत्म हो गया। कुछ पंपों पर दाम बढ़ने की भी शिकायतें आईं। हालात को देखते हुए ही मुख्यमंत्री का बयान सामने आया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी सजगता और सहयोग से छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की ईंधन व्यवस्था सुचारू बनी रहेगी। उन्होंने संयम और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्रहित में योगदान देने की अपील की।

पेपर लीक के बाद रद्द हुई नीट परीक्षा अब 21 जून को, लाखों छात्रों की तैयारी पर पड़ा असर

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द की गई नीट यूजी परीक्षा की नई तारीख घोषित कर दी है। अब यह परीक्षा 21 जून को ऑफलाइन मोड में पेन और पेपर से आयोजित की जाएगी। 3 मई को हुई परीक्षा को पेपर लीक के कारण रद्द करना पड़ा था, जिससे देशभर के लाखों परीक्षार्थियों की तैयारी और मानसिक स्थिति पर गहरा असर पड़ा।

परीक्षा रद्द होने से छात्रों को झटका : पेपर लीक की घटना सामने आने के बाद परीक्षा रद्द होने से अभ्यर्थियों को दोहरा नुकसान उठाना पड़ा। कई छात्रों ने बताया कि महीनों की मेहनत के बाद परीक्षा देने के बावजूद दोबारा तैयारी का दबाव और अनिश्चितता से तनाव बढ़ा है। दूर-दराज के केंद्रों पर पहुंचने के लिए किए गए खर्च और समय की बर्बादी से भी छात्र परेशान हुए। अभिभावकों ने भी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए।

नई तारीख और व्यवस्था : एनटीए के अनुसार परीक्षा 21 जून को दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:20 बजे तक होगी। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन किया था, उन्हें दोबारा रजिस्ट्रेशन नहीं करना होगा। उनका पुराना डेटा ही मान्य रहेगा। एनटीए जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर नई सिटी स्लिप और नया एडमिट कार्ड जारी करेगा।

सुरक्षा होगी और सख्त : फिलहाल नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई कर रही है। सुरक्षा को देखते हुए इस बार परीक्षा केंद्रों पर निगरानी पहले से ज्यादा सख्त की जाएगी। एनटीए ने छात्रों से अपील की है कि वे किसी अफवाह पर ध्यान न दें और ताजा जानकारी के लिए केवल एनटीए नीट की आधिकारिक वेबसाइट देखते रहें।

मिलावटी शराब बनाने का गोरखधंधा पकड़ाया, महीनों से चल रही थी अवैध बॉटलिंग

शराब दुकान के सेल्समैन और सुपरवाइजर सहित 4 गिरफ्तार, 34 लीटर नकली शराब जब्त

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खैरागढ़ पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने अवैध रूप से शराब की बॉटलिंग और रिफिलिंग कर मिलावटी शराब बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। शनि मंदिर के पास राजपूत ढाबा के बाजू के एक मकान में पिछले चार महीने से यह गोरखधंधा चल रहा था। पुलिस ने शासकीय शराब दुकान के दो सेल्समैन और एक सुपरवाइजर समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

किराए के मकान में चल रहा था खेल

मुखबिर की सूचना पर थाना खैरागढ़ और साइबर सेल की टीम ने राजपूत ढाबा के बगल स्थित किराए के मकान पर छापा मारा। मौके पर भागवत वर्मा और त्रिलोक यादव अवैध रूप से शराब की बॉटलिंग और रीफिलिंग करते रंगे हाथ पकड़े गए। पूछताछ में दो और साथियों के नाम सामने आए।

34 लीटर मिलावटी शराब जब्त

आरोपियों के कब्जे से 130 नग गोवा स्पेशल व्हिस्की के 180 एमएल सीलबंद पाव, 10.5 लीटर संदिग्ध तरल पदार्थ, 203 ढक्कन, 720 लेबल स्टीकर, 3 पत्ता होलोग्राम, 67 खाली बोतल समेत बॉटलिंग का सामान बरामद हुआ। कुल 34 लीटर अवैध शराब जब्त की गई जिसकी कीमत 22,320 रुपये आंकी गई है। आरोपी शराब में पानी मिलाकर दोबारा सील कर बेच रहे थे।

गिरफ्तार आरोपी में भागवत वर्मा, 26 वर्ष, निवासी सनडोंगरी, थाना गातापार - सेल्समैन, खैरागढ़ शराब दुकान , त्रिलोक यादव, 29 वर्ष, निवासी गैरेजपारा कुसुमकसा, दल्लीराजहरा - सेल्समैन, खैरागढ़ शराब दुकान, शक्ति नारायण सिंह, 43 वर्ष, हाल पता खम्हरिया रोड खैरागढ़, तिपेश कुमार सोनी, 31 वर्ष, निवासी डौंडी, बालोद - सुपरवाइजर, जालबांधा शराब दुकान शामिल हैं

थाना खैरागढ़ में धारा 34(1)क, 34(2), 36, 49(ख)(ग), 59क (1)(2) आबकारी एक्ट और धारा 61(2), 318(4), 336(2), 336(3), 340(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चार महीने से क्षेत्र में मिलावटी शराब बिक रही थी। आबकारी विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मलपुरीकला जनसमस्या निवारण शिविर में 165 आवेदनों का निराकरण, प्रतिभावान विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शासकीय काम-काज में पारदशिर्ता तथा योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के अनुक्रम में सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत जिले के ग्रामीण अंचलों में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत ग्राम मलपुरीकला में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 485 आवेदन प्राप्त हुए।

मौके पर विभागीय अधिकारियों द्वारा 165 आवेदनों का निराकरण किया गया। शेष लंबित आवेदनों के निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। सुशासन शिविर में क्षेत्र की जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिये। शिविर में क्षेत्र के 14 ग्राम पंचायत क्रमशः मलपुरीकला, अकोला, कपसदा, ओटेबंद, गोढ़ी, अछोटी, ढौर (हि), बोरसी, खपरी, पंचदेवरी, ढाबा, मुर्रा, सांकरा और कंडरका के लोगों ने उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी निभायी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित इस शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत क्षेत्र के सैकड़ों हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

शिविर में खाद्य विभाग द्वारा 10 हितग्राही क्रमशः दुर्गेश्वरी निषाद, हेमलता यादव, भारती वर्मा, भारती सोनवानी, कौशिल्या साहू, संजना देवांगन, टंकेश्वरी जांगड़े, गीता साहू, उत्तरा वर्मा और सृष्टि वर्मा को नवीन राशन कार्ड प्रदान किया गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत हितग्राही दीपिका यादव, हेमलता साहू, जानकी यादव (ग्राम ओटेबंद), प्रीति साहू एवं मधु यादव (ग्राम बोरसी) को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन राशि प्राप्ति प्रमाण पत्र, सकुंतला गायकवाड़ अध्यक्ष नारी शक्ति स्व-सहायता समूह ओटेबंद को बर्तन बैंक उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रमाण पत्र, सीमा जोशी (मुर्रा), तारा जांगड़े, प्रमिला कुर्रे (मलपुरीकला), प्रमिला निषाद, कुमारी बाई साहू (ओटेबंद) को स्वच्छाग्राही सम्मान प्रमाण पत्र तथा रामनारायण साहू (मलपुरीकला) और यशोद नेताम (मुर्रा) को स्वच्छता कर सम्मान प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

जनपद पंचायत धमधा द्वारा सामाजिक सहायता पेंशन योजना अंतर्गत हितग्राही अर्जुन बघेल, द्वारिका बघेल, लखन लाल गेन्डरे (ग्राम ढाबा) को वृद्धा पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र तथा दुकालू सतनामी (पंचदेवरी) और नेतराम (ढौर-हि) को मुख्यमंत्री पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राहियों क्रमशः सुखचंद साहू, सुखराम साहू, आमोली वर्मा, परषराम साहू एवं रामचरण साहू को पीएम आवास की चॉबी सौंपी गई। मत्स्य विभाग द्वारा ग्राम बोरसी के जय शक्ति मछुआ सहकारी समिति, ग्राम संडी के जय बुढ़ादेव समिति मछुआ सहकारी समिति, ग्राम जंजगिरी के जय बजरंग मछुआ सहकारी समिति, ग्राम मलपुरीकला के निषाद मछुआ सहकारी समिति, ग्राम कंडरका के नवयुवक मछुआ सहकारी समिति और अहिवारा के महामाया मछुआ सहकारी समिति को आइसबॉक्स और जॉल वितरण किया गया।

कृषि विभाग द्वारा ग्राम मलपुरीकला के हितग्राही कृषक क्रमशः खेमलाल, राजकुमारी, जोइधाराम, खिलेश्वर और चन्द्रिका को केसीसी कार्ड वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचपीवी वैक्सिन लगाने वाली बालिकाएं क्रमशः कु. याचना निषाद, कु. आकांक्षा साहू, कु. डिकेश्वरी, कु. गरिमा, कु. दामिनी कुर्रे, कु. दशमत मिर्झा और कु. केतल जांगड़े को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। शिविर में उत्कृष्ट अंकों के साथ कक्षा दसवीं एवं बारहवीं उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी क्रमशः एकता साहू, ऋषभ निषाद, पंकज साहू और खुशबू साहू को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार ग्राम के समाजसेवी यशवंत वर्मा को सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इससे पूर्व शिविर में अधिकारियों ने विभाग द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी उपस्थित जनसमुदाय को दी।

शिविर में अनुविभागीय दण्डाधिकारी महेश सिंह राजपूत, जनपद पंचायत धमधा के सीईओ किरण कौशिक, विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, जनपद सदस्य श्रीमती हेमा साहू, सरपंच श्रीमती दशमत साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कमर्चारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी ग्रामीणजन उपस्थित थे।

खास खबर

1 जुलाई से मनरेगा की जगह लागू होगी वीबी जीरामजी योजना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास एवं रोजगार के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करते हुए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 को 1 जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू करने की घोषणा की है। नई व्यवस्था लागू होते ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह वीबी जीरामजी योजना प्रभावी हो जाएगी। नई योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को केवल मजदूरी आधारित रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि गांवों में स्थायी विकास एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इसके तहत जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका संवर्धन, जलवायु अनुकूल कार्य तथा स्थानीय संसाधनों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

नई व्यवस्था में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी मिलेगी, जो पहले 100 दिनों तक सीमित थी। रोजगार के लिए आवेदन ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जाएगा तथा 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय में रोजगार नहीं मिलने पर पात्र परिवारों को बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान भी किया गया है। मजदूरी भुगतान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए राशि सीधे श्रमिकों के बैंक अथवा डाकघर खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। भुगतान में 15 दिनों से अधिक देरी होने पर श्रमिकों को क्षतिपूर्ति राशि भी प्रदान की जाएगी। योजना के तहत जल संरक्षण संरचनाएं, आंगनबाड़ी भवन, पशुपालन एवं मत्स्य पालन से जुड़े कार्य, कौशल विकास केंद्र, बाढ़ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन तथा अन्य ग्रामीण अधोसंरचना निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्राम पंचायतों की भूमिका को मजबूत करते हुए विकसित ग्राम पंचायत योजना के जरिए ग्राम सभाओं की भागीदारी से स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्य तय किए जाएंगे। योजना को पीएम गतिशक्ति एवं जीआईएस आधारित डिजिटल प्रणाली से भी जोड़ा जाएगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जिले में 1 जुलाई 2026 से मनरेगा के स्थान पर वीबी जीरामजी योजना लागू किए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। भारत के राजपत्र में प्रकाशन के बाद नई व्यवस्था के तहत कार्यों की स्वीकृति 1 जुलाई से प्रारंभ होगी। इस संबंध में मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत बजरंग कुमार दुबे द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिन्हें दुर्ग जिले के जनपद पंचायतों तक पहुंचा दिया गया है। जारी निर्देशों के अनुसार मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत सभी कार्यों को 15 जून 2026 तक पूर्ण करना अनिवार्य होगा। केवल पौधारोपण एवं नसर्री संधारण कार्यों को जुलाई माह तक जारी रखने की अनुमति दी गई है। नवा तरिया, डबरी एवं अन्य जल संरक्षण कार्यों को वर्षा ऋतु से पूर्व 10 जून तक पूर्ण करने तथा उनका अंतिम मापन एवं सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में अब केवल ग्राम सभा से अनुमोदित एवं नई योजना के अनुमेय कार्यों को ही स्वीकृति मिलेगी। हितग्राहियों को निर्धारित 100 दिनों का अकुशल श्रम रोजगार समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने तथा प्रगतिरत कार्यों में अतिरिक्त श्रमिक लगाकर उन्हें एक माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी ग्राम पंचायत, जनपद एवं जिला स्तर पर परीक्षण कर 15 जून तक आवश्यक कारर्वाई पूर्ण करनी होगी।

आचार संहिता लगते ही कई वार्ड-पंचायतें सुशासन तिहार शिविर से बाहर

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे सुशासन तिहार को लेकर बड़ा प्रशासनिक बदलाव सामने आया है। नगरीय निकाय और पंचायत उपचुनाव के बीच लागू आदर्श आचार संहिता का असर अब जनसमस्या निवारण शिविरों पर भी दिखाई देने लगा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, चुनाव प्रभावित क्षेत्रों के कई वार्डों और ग्राम पंचायतों को फिलहाल सुशासन तिहार शिविरों से बाहर कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, जिन क्षेत्रों में उपचुनाव की प्रक्रिया जारी है, वहां किसी भी प्रकार की नई शासकीय घोषणा, लाभ वितरण या विशेष शिविर आयोजन पर रोक लगाई गई है, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इस फैसले के बाद संबंधित वार्डों और पंचायतों के लोगों को शिविर के माध्यम से मिलने वाली कई सेवाओं के लिए फिलहाल इंतजार करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि चुनाव समाप्त होने के बाद सुशासन तिहार योजना का लाभ देने के लिए नई तिथि जल्द घोषित की जाए, ताकि लोगों को योजनाओं और सेवाओं का लाभ मिल सके। सुशासन तिहार के तहत जिलेभर में आम जनता की समस्याओं का निराकरण, योजनाओं का लाभ और विभागीय सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही थीं, लेकिन आचार संहिता लागू होने के बाद कुछ क्षेत्रों में इसकी रफ्तार थम गई है।

मंत्री यादव ने किया पुलगांव व उरला हाईस्कूल में अतिरिक्त कक्ष और हॉल निर्माण का भूमिपूजन

अतिरिक्त कक्षों और आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे विद्यालय, मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पुलगांव एवं उरला स्थित शासकीय हाईस्कूल में अतिरिक्त कक्ष, हॉल एवं शौचालय निर्माण कार्य हेतु आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं क्षेत्रवासियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि पुलगांव हाईस्कूल में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण किया जाएगा, वहीं उरला हाईस्कूल में अतिरिक्त कक्षों के साथ हॉल एवं शौचालय का निर्माण किया जाएगा। इन निर्माण कार्यों से विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण, पर्याप्त स्थान एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना को लगातार मजबूत कर रही है, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके।

केबिनेट मंत्री श्री यादव ने कहा कि शिक्षा केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना भी सरकार की प्राथमिकता है। विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण से विद्यार्थियों को सुगम शिक्षण व्यवस्था मिलेगी तथा शिक्षकों को भी बेहतर ढंग से अध्यापन कार्य करने में सुविधा होगी।

कार्यक्रम के दौरान इसी वर्ष घोषित परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त होती है तथा विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ अध्ययन जारी रखना चाहिए।

उन्होंने बताया कि दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के अन्य शासकीय विद्यालयों में भी संधारण एवं मरम्मत कार्य कराए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। सरकार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के सभी विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, जिला उपाध्यक्ष अशोक राठी, मंडल अध्यक्ष कौशल साहू, महेन्द्र लोढ़ा, बंटी चौहान, सभापति श्याम शर्मा, पार्षद अश्वनी निषाद, शिव नायक, साजन जोसफ, श्रीमती हीरोंदी चंदानिया, भाजयुमो अध्यक्ष हिमांशु सिंह, डीईओ अरविन्द मिश्रा, कार्यकर्ता एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

दुर्ग शहर के सभी नालों की सफाई शुरू, गिरधारी नगर नाले से हुई शुरुआत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर में बारिश के पूर्व जलभराव एवं गंदगी की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाने के उद्देश्य से नालों की व्यापक सफाई अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। इसी कड़ी में टेंडर निविदा प्रक्रिया के तहत गिरधारी नगर नाला की सफाई कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। सफाई कार्य के लिए विशेष गैंग लगाकर मशीन एवं श्रमिकों के माध्यम से नाले की सफाई शुरू कराई गई।

दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने मौके पर पहुंचकर सफाई कार्य का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को कार्य में गुणवत्ता एवं नियमित मॉनिटरिंग बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नाले में जमा गाद, कचरा एवं अवरोधों को शीघ्र हटाकर पानी निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए, ताकि आगामी बारिश के दौरान नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े।

आगामी बारिश को देखते हुए नगर पालिक निगम द्वारा शहर के सभी बड़े नालों की सफाई अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। अभियान की शुरुआत गिरधारी नगर नाला से की गई। महापौर अलका बाघमार ने स्थल पहुंचकर सफाई कार्य का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम द्वारा बारिश पूर्व जलभराव की समस्या रोकने हेतु सभी प्रमुख नालों की चरणबद्ध सफाई कराई।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख नालों एवं नालियों की सफाई अभियान लगातार चलाया जा रहा है। नागरिकों की सुविधा एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखना निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बारिश पूर्व सभी वार्डों में सफाई व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा तथा जल निकासी से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील करते हुए कहा कि नालों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके तथा शहर को स्वच्छ रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें।

इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, बाजार एवं राजस्व विभाग प्रभारी शेखर चन्द्राकर स्वास्थ्य प्रभारी निलेश अग्रवाल, विद्युत विभाग प्रभारी एवं वार्ड पार्षद ज्ञानेश्वर ताम्रकर, एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, रंजीता पाटिल, अरुण सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित मनमोहन शर्मा अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

पुराना बस स्टैंड इंदिरा मार्केट में बनेगी अत्याधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पुराना बस स्टैंड स्थित इंदिरा मार्केट में प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण कार्य का महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने निगम अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, निलेश अग्रवाल, हर्षिका संभव जैन, कायर्पालन अभियंता प्रकाश चंद थवानी, राजेन्द्र ढबाले, पंकज साहू, सिद्धार्थ साहू सहित ठेकेदार मौजूद रहें।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य प्रारंभ कर गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाए ताकि शहरवासियों को शीघ्र बेहतर पार्किंग सुविधा उपलब्ध हो सके।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर में लगातार बढ़ते यातायात एवं बाजार क्षेत्र में पार्किंग की समस्या को देखते हुए मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस परियोजना के पूर्ण होने से इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा आम नागरिकों, व्यापारियों एवं बाहर से आने वाले लोगों को व्यवस्थित पार्किंग सुविधा मिल सकेगी।

उन्होंने कहा कि निगम द्वारा शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं यातायात सुधार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। मल्टीलेवल पार्किंग बनने से सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग पर नियंत्रण लगेगा तथा बाजार क्षेत्र में जाम की स्थिति से भी राहत मिलेगी। प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना बेसमेंट, ग्राउंड एवं दो फ्लोर सहित निर्मित की जाएगी। परियोजना में लगभग 298 कार पार्किंग क्षमता विकसित की जाएगी। इसके अतिरिक्त परिसर में 11 दुकानों का भी निर्माण किया जाएगा, जिससे नागरिक सुविधाओं के साथ व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। लगभग 17 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से बनने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना की निर्माण अवधि 18 माह निर्धारित की गई है। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों को तकनीकी गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

टीबी मुक्त भारत अभियान को मिली गति : हमर अस्पताल पोटिया चौक में महापौर अलका बाघमार ने किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग की प्रथम नागरिक महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी लीना दिनेश देवांगन, शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, रंजिता पाटिल, निखिल शर्मा सहित आदि के साथ वार्ड क्रमांक 54 स्थित हमर अस्पताल पोटिया चौक पहुंचकर संभावित टी.बी. मरीजों के लिए संचालित निःशुल्क एक्सरे एवं उपचार व्यवस्था का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, मरीजों को दिए जा रहे उपचार, जांच व्यवस्था तथा टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम की जानकारी डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कमर्चारियों से ली। उन्होंने अस्पताल परिसर का भ्रमण कर मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

महापौर अलका बाघमार ने अस्पताल परिषद एवं स्टाफ से मुलाकात कर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मौजूद चिकित्सकों से संभावित टी.बी. मरीजों की पहचान, निःशुल्क एक्सरे, समय पर जांच एवं उपचार प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने तथा जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि टी.बी. जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए शासन द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। समय पर जांच और उपचार से टी.बी. को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग मिलकर आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रत्येक संभावित मरीज तक जांच एवं उपचार की सुविधा पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि लगातार खांसी, कमजोरी, बुखार अथवा अन्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं और शासन की निःशुल्क स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लें।

वार्ड-25 पार्षद मनीष की पहल : अस्वस्थ और दिव्यांग हितग्राहियों का घर-घर जाकर महतारी वंदन योजना का करवाया केवाइसी

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

वार्ड 25 आशीष नगर पश्चिम रिसाली में पार्षद मनीष यादव की पहलः अस्वस्थ एवं दिव्यांग हितग्राहियों का घर-घर जाकर किया महतारी वंदन योजना का केवाइसी किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना का लाभ अंतिम पात्र हितग्राही तक पहुंचे, इस संकल्प के साथ वार्ड क्रमांक 25, आशीष नगर पश्चिम रिसाली के पार्षद मनीष यादव ने सराहनीय पहल की।

श्री यादव ने अपने वार्ड के उन सभी माताओं-बहनों का घर-घर जाकर केवाईसी संपन्न कराया जो उम्रदराज, अस्वस्थ या दिव्यांग होने के कारण बैंक अथवा शिविर स्थल तक जाने में असमर्थ थीं। पार्षद स्वयं अपनी टीम के साथ हितग्राहियों के घर पहुंचे, आवश्यक दस्तावेज एकत्र किए और मौके पर ही KYC की प्रक्रिया पूरी कराई।

जब हितग्राही चलकर योजना तक नहीं पहुंच सकते, तो जनप्रतिनिधि चलकर हितग्राही तक पहुंचता है। यही है सुशासन। इस अवसर पर पार्षद श्री मनीष यादव ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन का मूल मंत्र है कि शासन की योजना हितग्राही तक पहुंचे, न कि हितग्राही योजना के लिए भटके। महतारी वंदन योजना के तहत हर पात्र बहन को प्रतिमाह 1000 की सम्मान राशि मिल रही है। मेरे वार्ड की कोई भी माता-बहन इस लाभ से वंचित न रहे, इसलिए आज हमने घर-घर जाकर केवाईसी किया। जो बहनें चल नहीं सकतीं, उनके लिए उनका बेटा-भाई चलकर उनके द्वार पहुंचेगा। उन्होंने आगे कहा कि महतारी वंदन योजना से माताओं-बहनों को आर्थिक संबल मिला है और वे सम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर रही हैं। वार्ड में लगातार सर्वे कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि एक भी पात्र हितग्राही छूटने न पाए।

हितग्राहियों एवं उनके परिजनों ने पार्षद की इस पहल पर प्रसन्नता जताई और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं पार्षद मनीष यादव का आभार व्यक्त किया।

कचना ओवर-ब्रिज जल्द होगा शुरू, उपमुख्यमंत्री ने अंतिम चरण के कार्यों का किया निरीक्षण

अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को काम पूर्ण करने के निर्देश, ओवर-ब्रिज पर यातायात शुरू होने से शहर और आसपास के गांवों के हजारों लोगों को मिलेगी राहत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज रायपुर में खम्हारडीह-कचना रेल्वे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवर-ब्रिज के अंतिम चरण के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को ओवर-ब्रिज का काम जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ओवर-ब्रिज पर पैदल चलकर अधिकारियों से इसके तकनीकी मानकों की जानकारी ली। उन्होंने यहां लाइटिंग के लिए अच्छी गुणवत्ता के पोल्स और लाइट्स का उपयोग करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल, प्रमुख अभियंता वीके भतपहरी और सेतु संभाग के मुख्य अभियंता एसके कोरी भी इस दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कचना ओवर-ब्रिज के निरीक्षण के बाद कहा कि इसका 96 प्रतिशत काम पूर्ण कर लिया गया है। थोड़े से बचे कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कर इसे यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इस ओवर-ब्रिज के चालू होने से रायपुर शहर और आसपास के गांवों के हजारों लोगों को ट्रैफिक-जॉम और रेलवे फाटक के बंद होने के कारण यातायात बाधित होने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। श्री साव ने कहा कि राज्य शासन लगातार राजधानी के यातायात को सुदृढ़, व्यवस्थित और तेज करने में लगी हुई है। कचना का यह ओवर-ब्रिज भी इसमें काफी महत्वपूर्ण है, जो अब लगभग पूणर्ता की ओर है। इस सड़क से आना-जाना करने वालों के लिए यह बहुप्रतीक्षित ओवर-ब्रिज जल्द ही खोल दिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रायपुर-वाल्टेयर रेलवे लाइन पर खम्हारडीह और कचना के बीच करीब 49 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन इस रेलवे ओवर-ब्रिज का 96 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। पुल के मध्य के रेलवे वाले भाग के साथ ही दोनों छोरों पर पुल एवं पहुंच मार्ग का काम पूर्ण कर लिया गया है। अभी पेंटिंग एवं फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है। इनके पूर्ण होते ही नाली निर्माण और लाइटिंग का काम तत्परता से प्रारंभ किया जाएगा। इस ओवर-ब्रिज के शुरू हो जाने से इस रूट का यातायात व्यवस्थित और तेज होगा।

खास खबर

सुशासन तिहार : संवेदनशील शासन, त्वरित समाधान और जन-विश्वास का नया अध्याय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार अब केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जन-सरोकारों से जुड़ा एक सशक्त जन- आंदोलन बन चुका है। इस अभियान ने शासन और नागरिकों के बीच विश्वास की एक नई और अटूट कड़ी स्थापित की है। सुदूर वनांचलों से लेकर नगरीय निकायों तक, सरकार स्वयं जनता के द्वार पहुँचकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कर रही है।

जनता के द्वार पहुंची सरकार : सुशासन तिहार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने आम आदमी को दफ्तरों के चक्कर काटने की विवशता से मुक्ति दिलाई है। प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुँचकर शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के आवेदन सीधे स्वीकार कर रहा है। इन समाधान शिविरों में बड़ी संख्या में मामलों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है, जो साय सरकार की अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है।

त्वरित निर्णय और प्रभावी क्रियान्वयन : शिविरों के दौरान प्रशासनिक संवेदनशीलता का अनूठा स्वरूप देखने को मिल रहा है। पेयजल संकट के समाधान हेतु तत्काल नए हैंडपंपों की स्वीकृति हो या अतिरिक्त राशन दुकान, सड़क, बिजली और आवास से जुड़े मामले, निर्णय मौके पर ही लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि जन-समस्याओं का समाधान समय-सीमा के भीतर हो। इसी के अनुरूप जिला प्रशासनों को जवाबदेह बनाते हुए अधिकारियों को पारदर्शी कार्यप्रणाली अपनाने हेतु निर्देशित किया गया है।

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को मिल रहा सीधा लाभ : राज्य सरकार की योजनाओं का केंद्र बिंदु समाज का वंचित वर्ग है। प्रधानमंत्री आवास योजना से हजारों परिवारों को पक्की छत मिल रही है। महतारी वंदन योजना के जरिए महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। किसानों को सम्मान निधि, आधुनिक उपकरण और सिंचाई सुविधाओं का लाभ निरंतर मिल रहा है। शिविरों में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, किसान किताब और जॉब कार्ड जैसे आवश्यक दस्तावेजों का तत्काल वितरण सरकार की क्रियान्वयन शक्ति को दर्शाता है।

प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कड़ा संदेश दिया है कि जन-समस्याओं के प्रति लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुशासन तिहार के दौरान अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई है। कलेक्टरों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सीधे जनता से संवाद कर समस्याओं का फीडबैक लेना प्रशासनिक पारदर्शिता और जनहित के प्रति उनकी गंभीरता को रेखांकित करता है, जिससे नागरिकों में शासन के प्रति गहरा भरोसा जगा है।

जनभागीदारी से सुदृढ़ होता लोकतंत्र : इस अभियान ने शासन व्यवस्था को अधिक सहभागी और जन-केंद्रित बनाया है। जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने सुशासन तिहार को लोकतंत्र के वास्तविक उत्सव में बदल दिया है। यह पहल केवल शिकायतों के निवारण तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का माध्यम बन रही है।

नए छत्तीसगढ़ की आधारशिला : मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा छत्तीसगढ़ की सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है। सुशासन तिहार इसी विजन का मूर्त रूप है। आज जब गांवों में समय पर समस्याओं का समाधान और योजनाओं का पारदर्शी लाभ मिल रहा है, तो यह विश्वास और भी प्रबल हो रहा है कि छत्तीसगढ़ तेजी से सुशासन और जनकल्याण के एक स्वर्णिम युग की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर सुशासन तिहार केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे संकल्पों की सिद्धि का एक महापर्व है। हमारी सरकार का मूल मंत्र है- जनता की सेवा ही सर्वोच्च प्राथमिकता । विगत कुछ समय से आयोजित हो रहे समाधान शिविरों में जिस तरह आप सभी की सक्रिय भागीदारी दिख रही है, वह इस बात का प्रमाण है कि अब शासन और जनता के बीच की दूरियां मिट चुकी हैं। हमने यह सुनिश्चित किया है कि अब आपको अपने हक के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं आपके द्वार खड़ा हो।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने सेरीखेड़ी में अजा परियोजना और पिंक दीदी नवाचारों का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ का आजीविका मॉडल देशभर के लिए है प्रेरणादायी-केंद्रीय राज्य मंत्री पासवान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने आज रायपुर जिले के सेरीखेड़ी स्थित मल्टी यूटिलिटी सेंटर का दौरा किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत संचालित इस केंद्र में उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और आजीविका गतिविधियों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं द्वारा संचालित अजा परियोजना और बेहतर बाजार लिंकेज की प्रशंसा करते हुए इसे देशभर के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बताया।

अजा परियोजना वैज्ञानिक पशुपालन और सशक्त बाजार लिंकेज

श्री पासवान ने एकीकृत बकरी पालन मॉडल अजा के क्रियान्वयन को बारीकी से देखा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ा रही है, बल्कि वैज्ञानिक पशुपालन को भी नई दिशा दे रही है। आधुनिक शेड, नियमित टीकाकरण, पशु बीमा, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और जैविक खाद निर्माण जैसी व्यवस्थाओं ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के लिए बाजार की सुलभ उपलब्धता को अन्य राज्यों के लिए भी सीखने योग्य बताया।

पिंक दीदी और बिजनेस दीदी आत्मनिर्भर भारत की नई पहचान

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने नवा रायपुर में संचालित ई-ऑटो सेवा प्रोजेक्ट पिंक दीदी की सराहना की। उन्होंने हितग्राही महिलाओं से संवाद कर उनके अनुभव जाने और कहा कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रही है। एकीकृत बकरी पालन परियोजना, कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों, आजीविका सेवा केंद्र, के अलावा उन्होंने बिजनेस दीदी, मशरूम उत्पादन और कृषि आधारित अन्य गतिविधियों का भी अवलोकन किया।

घर संभालने वाली महिलाएं अब बनीं बोर्ड ऑफ डायरेक्टर

मंत्री श्री पासवान ने कृषक उत्पादक समूह की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर महिलाओं से आत्मीय चर्चा की। इस दौरान दीदियों ने साझा किया कि कैसे वे घर की चारदीवारी से निकलकर आज एक संगठित व्यवसाय का नेतृत्व कर रही हैं। मंत्री ने महुआ कुकीज का स्वाद लिया और समूह की दीदियों के कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि असंगठित क्षेत्र को संगठित कर लाभ अर्जित करना ही वास्तविक सशक्तिकरण है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ के आजीविका मॉडल को अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए अधिकारियों को इन योजनाओं के और अधिक विस्तार पर जोर देने को कहा। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आजीविका मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं महिला समूहों को बेहतर कार्य के लिए बधाई देते हुए योजनाओं के और विस्तार पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान पंचायत सचिव भीम सिंह, कलेक्टर गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिस्वरांजन सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने मल्टी यूटिलिटी सेंटर, सेरीखेड़ी (रायपुर) अजा परियोजना, पिंक दीदी ई-ऑटो, बिजनेस दीदी, एफपीओ से संवाद की और कहा कि छत्तीसगढ़ का ग्रामीण आजीविका मॉडल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम है।

धान उठाव, कस्टम मिलिंग और पीडीएस व्यवस्था की खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने की समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल ने मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय योजनाओं, धान उठाव, कस्टम मिलिंग तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में खरीफ वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान के निराकरण, धान खरीदी केन्द्रों एवं संग्रहण केन्द्रों से धान के उठाव, कस्टम मिलिंग एवं एफसीआई तथा नागरिक आपूर्ति निगम में चावल जमा किए जाने की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीफ वर्ष 2025-26 के उपार्जन केन्द्रों एवं संग्रहण केन्द्रों में शेष धान का उठाव 31 मई 2026 तक हर हाल में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कस्टम मिलिंग के बाद चावल जमा करने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत अप्रैल, मई एवं जून 2026 के लिए तीन माह के एकमुश्त चावल भंडारण एवं वितरण की भी समीक्षा की गई। श्री बघेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा में तीनों माह का राशन वितरण कार्य पूर्ण किया जाए ताकि हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। समीक्षा बैठक में खाद्य संचालनालय, जिला कार्यालयों, नागरिक आपूर्ति निगम, राज्य भंडार गृह निगम तथा छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने आवश्यक पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। राज्य में खाद्यान्न भंडारण क्षमता की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम द्वारा निर्माणाधीन गोदामों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर उपयोग में लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना : मर्दापाल में 50 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में, वनमंत्री ने दिया आशीर्वाद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशीलता और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को दोहराते हुए आज मर्दापाल में श्मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाश के तहत भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस समारोह में क्षेत्र के 50 जोड़ों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों और हर्षोल्लास के साथ अपने वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की। वन मंत्री केदार कश्यप ने नवदंपत्तियों को दिया आशीर्वाद, प्रत्येक जोड़े को मिले 35-35 हजार रुपये के चेक वितरित किए।

बेटियों का सम्मान और सामाजिक सुरक्षा

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप शामिल हुए। नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए उन्होंने कहा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी बेटियों को सम्मान और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए महतारी वंदन योजना और लखपति दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से निरंतर प्रयासरत है।

विकास और खुशहाली का नया अध्याय

श्री कश्यप ने क्षेत्र में बदलते परिदृश्य की सराहना करते हुए कहा कि अब यहाँ शांति और विकास का वातावरण निर्मित हो रहा है। उन्होंने सभी से मिलजुलकर खुशहाल समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

आर्थिक सहायता और विधिक दस्तावेज

सभी नवविवाहित जोड़ों को शासन की ओर से वित्तीय सहायता के रूप में प्रत्येक जोड़े को योजना के तहत 35-35 हजार रुपये की राशि के चेक वितरित किए गए। मौके पर ही सभी जोड़ों को कानूनी मान्यता हेतु विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

सामाजिक सरोकार बाल विवाह रोकथाम की शपथ

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को बाल विवाह रोकथाम की सामूहिक शपथ दिलाई गई, जो सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध एक कड़ा संदेश है। यह आयोजन पारंपरिक विधि-विधानों के साथ संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में नवदंपत्तियों के परिजन और स्थानीय ग्रामीण साक्षी बने। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती यशोदा कश्यप सहित एसडीएम अजय उरांव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्काउट्स-गाइड्स बनेंगे युवा दूत मासिक धर्म स्वच्छता और लैंगिक समानता पर टूटेगी चुप्पी

तारुण्य वार्ता हैशटैग पीरियड्स पर खुलकर अभियान के लिए राज्यभर में मास्टर ट्रेनर्स हुए तैयार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

समाज में मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक बड़ी पहल की गई है। यूनिसेफ एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्काउट्स-गाइड्स लीडर्स को मास्टर ट्रेनर्स के रूप में तैयार किया गया है। ये मास्टर ट्रेनर्स अब प्रदेश भर में किशोर-किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन और लैंगिक अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाएंगे। राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा ने कहा कि इस अभियान का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त झिझक और मिथकों को समाप्त करना है। हमारे स्काउट्स एवं गाइड्स राज्यभर में युवा दूत के रूप में कार्य करेंगे और लैंगिक मुद्दों पर एक नई और स्वस्थ सोच विकसित करेंगे।

तारुण्य वार्ता पीरियड्स पर खुलकर संवाद

रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित बालाजी विद्या मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ष्तारुण्य वार्ता रुपीरियड्स पर खुलकरष अभियान को गति देना है। यह अभियान आगामी 28 मई को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस तक पूरे राज्य में संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण में प्रदेश के सभी जिलों से आए संगठन आयुक्तों और महिला लीडर्स ने हिस्सा लिया।

अनुभवों से सीखीं बारीकियां

प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत यूनिसेफ की वॉश ऑफिसर बिरजा कबी सतपथी ने प्रतिभागियों के व्यक्तिगत अनुभवों के साथ की। चर्चा के दौरान मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक वर्जनाओं और संकोच को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। यूनिसेफ के विशेषज्ञ अभिषेक त्रिपाठी और आशीष कुमार ने समुदाय की सहभागिता और युवा भागीदारी के व्यवहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पी.वी. मसीह ने मासिक धर्म के चिकित्सकीय एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी साझा की।

समाज में सकारात्मक दूत की भूमिका

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के स्टेट कोऑर्डिनेटर्स मोहम्मद सादिक शेख और दिलीप पटेल ने अभियान के जमीनी क्रियान्वयन की रूपरेखा प्रस्तुत की। समापन अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा ने मास्टर ट्रेनर्स को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मुख्यालय आयुक्त जी. स्वामी ने भी अपना संबोधन दिया, जबकि मंच संचालन राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) सरिता पाण्डेय द्वारा किया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. -शालिनी साहू आ./ध.प. स्व. जितेन्द्र कुमार साहू निवासी-सुन्दर नगर कोहका भिलाई तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम-कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 3222 रकबा 0.020 हे. है। जो भूमिस्वमी देवीराम साहू आ. मोतीराम साहू के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी देवीराम साहू की मृत्यु दिनांक 23/01/2015 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15/05/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/04/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क्र./202604101000112/अ-6/वर्ष 2025-26)

प्रति,
1. श्रीमती नंदा खुशलानी ध.प. नंदलाल सुशलानी निवासी टाटा लाईन कोहका मिलाई तह. व जिला दुर्ग
पक्षकार - नरसिंग सिन्हा आ. देवीराम सिन्हा
निवासी - हनुमान चौक, आर्य नगर कोहका भिलाई

विरुद्ध

अनावेदक-छ.ग.शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202604101000112/अ-6/वर्ष 2025-26 आवेदक नरसिंग सिन्हा पिता/पति/विभाग-देवीराम सिन्हा पता-आर्य नगर कोहका भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 651/23 रकबा 0.010 हे. भूमि को विक्रेता - नंदा खुशलानी नंदलाल खुशलानी से क्रय किया गया था। नामांतरण पश्चात ऋण पुस्तिका में आवेदक का नाम दर्ज है, किन्तु वर्तमान अभिलेख में आवेदक के स्थान पर विक्रेता का नाम प्रदर्शित हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 22/05/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/05/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

संपादकीय

संकट के समय तो देश में यही किया गया है

विश्व में कोई संकट आता है तो उससे दुनिया के सारे देश प्रभावित होते हैं और उससे बचने के लिए सभी वही उपाय करते हैं जो किया जाना चाहिए। लोगों से सभी देशों में सरकार अपील करती है, लोगों से कहती है कि ऐसे समय में उनको क्या करना चाहिए जिससे देश को संकट से निपटने में मदद मिल सकती है। शायद ही किसी देश में सरकार की ऐसी अपील व ऐसे उपायों को सरकार नाकामी कहा जाता है लेकिन भारत में राहुल गांधी ऐसे नेता हैं जिन्होंने देश को संकट से बचने के लिए पीएम मोदी की अपील को उनकी नाकामी बता दिया। उनकी कमजोरी है, खामी है कि वह कुछ बोलने का मौका मिलता है तो बिना सोचसमझे तुरंत जो मन में आया कह देते हैं वह सोचते नहीं है और उनके आसपास के नेता भी उनको बताते नहीं है कि वह जो कहने जा रहे हैं वह गलत है क्योंकि जब भी देश में संकट आया है तो कांग्रेस के नेताओं ने भी वही किया है जो पीएम मोदी ने किया है यानी देश के लोगों से अपील।

पीएम मोदी ने अपील की और राहुल गांधी ने कह दिया कि पीएम मोदी ने बचत की अपील करके अपनी नाकामी का सबूत दे दिया है तथा अब देश चलाना एक कम्प्रोमाइज्ड पीएम के बस की बात नहीं है। राहुल गांधी ने यह भी कहा है कि पीएम मोदी हर बार जिम्मेदारी जनता पर डाल देते हैं ताकि खुद जवाबदेही से बच निकलें। राहुल गांधी ने कहा है कि पीएम मोदी ने जनता से त्याग की मांग की है कि सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल का कम उपयोग करो, खाद व खाने के तेल का कम उपयोग करो, मेट्रो में जाओ, घर में काम करो। मोदी का यह उपदेश ही उनकी नाकामी का सबूत है।

जब राहुल गांधी यह सब देश को बता रहे थे तो उनको पता नहीं था कि वह पीएम मोदी को नाकाम नहीं बता रहे थे, कांग्रेस को भी नाकाम बता रहे थे क्योंकि देश में आज जैसा संकट आया है वैसा संकट जब कांग्रेस के समय आया था कांग्रेस नेताओं ने भी वही किया था जो आज पीएम मोदी ने किया है। आज तो देश की अर्थव्यवस्था पीएम मोदी की नीति के चलते मजबूत है। कांग्रेस ने तो ऐसे संकट के समय देश की अर्थव्यवस्था बरबाद होने की घोषणा कर दी थी। सोना रखने को अपराध घोषित कर दिया था।देशभक्ति का हवाला देकर नागरिकों से गहने दान करने, अनाज त्यागने, एकदिन उपवास करने को कह दिया था।

1962 में चीन से युध्द के दौरान राष्ट्रीय युध्द कोष में आभूषण दान करने का आग्रह तब के पीएम पं, नेहरू ने किया था। अपील के बाद 1962 के स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम के तहत सोने के स्वामित्व व व्यापार पर प्रतिबंध लगा दिया था। 1963 तक 14 कैरेट से अधिक वाले जेवरों का उत्पादन अपराध हो गया था। 1968 के कानून में सोने की छड़ें व सिक्के रखने को कानूनी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया था। 1966 में इंदिरा गांधी के समय सोने की खरीदी को विदेशी मुद्रा की बरबादी बताया गया था। पीएम मनमोहन सिंह के समय तीन महीने के भीतर चार बार लोगों से सोना नहीं खरीदने की अपील की गई थी। राहुल गांधी ने बिना यह जाने कि ऐसे संकट में कांग्रेस ने वही किया था जो आज पीएम मोदी कर रहे है, खुद को और कांग्रेस को हंसी का पात्र बना दिया है।

पीएम मोदी ने देशवासियों से सामूहिक रूप से विदेशी मुद्रा बचाने की अपील की है। पं.एशिया में तनाव के कारण विश्व में ऊर्जा संकट है। इस संकट से निपटने के लिए ही उन्होंने यह अपील की है।यह सही भी है देश में संकट आने पर हमेशा ऐसा ही किया जाता है। देश पर आए संकट से सामूहिक प्रयास से ही निपटा जा सकता है। पहले भी संकट से देश ने सामूहिक रूप से ही निपटा था और आज भी पीएम मोदी देशवासियों को बता रहे हैं कि संकट क्या है। इससे कैसे निपटा जा सकता है। इससे देशवासियों को किसी तरह की तकलीफ न हो इसके लिए पीएम मोदी दो महीनो में बहुत कुछ किया है। यह संकट आने वाले दिनों में बढ़ सकता है इसलिए पीएम मोदी देश के लोगों को बता रहे हैं कि इसस निपटने के लिए सबको प्रयास करना होगा। तकलीफ होगी तो सबको होगी और सबके प्रयास करने से तकलीफ कम होगी। संकट के समय देश एकजुट रहता है तो संकट से आसानी से निपटा जा सकता है. यही पीएम मोदी चाहते है, इसे राहुल गांधी समझ नहीं पा रहे हैं।

उदयनिधि स्टालिन जी के नाम एक खुला पत्र

'सनातन : सभ्यता, संवेदना और शाश्वत चेतना के आलोक में एक संवाद'

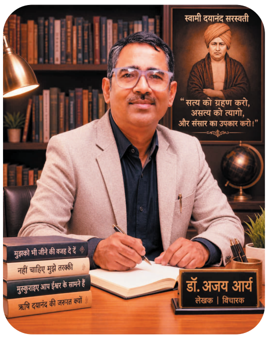

आचार्य डॉ. अजय आर्य

हाल ही में आपके द्वारा दिया गया वह वक्तव्य पूरे देश में व्यापक चर्चा का विषय बना, जिसमें आपने कहा कि सनातन धर्म का उन्मूलन होना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक और जनप्रतिनिधि को अपनी बात रखने का अधिकार है। आलोचना भी लोकतंत्र की आत्मा है। किंतु जब किसी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक परंपरा और करोड़ों लोगों की आस्था के संदर्भ में उन्मूलन जैसे शब्द प्रयुक्त किए जाते हैं, तब वे केवल राजनीतिक शब्द नहीं रह जाते; वे सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक सम्मान और राष्ट्रीय संवेदनाओं को भी प्रभावित करते हैं।

यहीं से संवाद की आवश्यकता प्रारंभ होती है। यह पत्र किसी कटुता, आक्रोश या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से प्रेरित नहीं है। यह उस भारतीय परंपरा की ओर से एक विनम्र उत्तर है, जिसने असहमति को भी सम्मान दिया, शास्त्रार्थ को भी स्थान दिया और विरोधी विचारों को भी सुनने की उदारता दिखाई। भारत की सभ्यता ने तलवार से अधिक संवाद पर भरोसा किया है। यही सनातन की आत्मा है। सबसे पहले सनातन शब्द को समझना आवश्यक है।

'सनातन' अर्थात – जो शाश्वत है, जो काल, परिस्थिति और सत्ता परिवर्तन से परे है। और धर्म का अर्थ केवल मजहब या पूजा-पद्धति नहीं है। भारतीय दर्शन में धर्म का अर्थ है- वह नैतिक व्यवस्था, वह कर्तव्यबोध, वह जीवन-पद्धति जो व्यक्ति, समाज और सृष्टि के संतुलन को बनाए रखे।

महाभारत में कहा गया है—**धारणात् धर्म इत्याहुः।** अर्थात जो धारण करे, संभाले और संरक्षित रखे, वही धर्म है। इसलिए सनातन धर्म को केवल एक संकीर्ण धार्मिक पहचान के रूप में देखना उसके विशाल दार्शनिक आयामों को सीमित कर देना है। यह जीवन का विज्ञान है, चेतना का अनुशासन है, मानवता का सांस्कृतिक व्याकरण है।

उपनिषदों की पूरी परंपरा मानव कल्याण की इसी भावना से अनुप्राणित है। ईशोपनिषद् कहता है—**ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत** अर्थात यह संपूर्ण जगत ईश्वर से व्याप्त है। यह दृष्टि मनुष्य को विनम्र बनाती है। वह सिखाती है कि प्रकृति, पशु, पक्षी, नदी, पर्वत और मानव—सब उसी विराट चेतना के अंश हैं। इसी से भारतीय संस्कृति ने कहा- वसुधैव कुटुम्बकम। संपूर्ण विश्व एक परिवार है।

आज जब संसार युद्ध, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और पर्यावरण संकट से जूझ रहा है, तब भारतीय सनातन दर्शन विश्व को सहअस्तित्व और करुणा का मार्ग दिखाता है। आपके वक्तव्य की सबसे बड़ी समस्या केवल आलोचना नहीं है; समस्या उन्मूलन शब्द में निहित मानसिकता है।

लोकतंत्र में विचारों का प्रतिवाद होता है, तर्क होता है, विमर्श होता है। किंतु किसी परंपरा को समाप्त कर देने की भाषा संवाद की नहीं, संघर्ष की भाषा बन जाती है। यदि आपकी आलोचना सामाजिक कुरीतियों, जातिगत अन्याय या अंधविश्वास के विरुद्ध होती, तो उसका स्वागत किया जाता। क्योंकि भारतीय परंपरा ने स्वयं अपने भीतर सुधार आंदोलनों को जन्म दिया है। स्वामी दयानंद सरस्वती इसका महान उदाहरण हैं। उन्होंने मूतिर्पूजा, छुआछूत, बाल विवाह और जातिगत भेदभाव जैसी सामाजिक विकृतियों का विरोध किया। किंतु उन्होंने सनातन संस्कृति को समाप्त करने की नहीं, बल्कि उसके शुद्ध और वैदिक स्वरूप के पुनर्जागरण की बात की।

उनका प्रसिद्ध उद्घोष था—वेदों की ओर लौटो। यह अतीत में लौटने का नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक और सत्य की ओर लौटने का आह्वान था। स्वामी दयानंद ने कहा- सत्य को ग्रहण करो, असत्य को छोड़ो। यही सनातन की शक्ति है—यह आत्मसुधार की क्षमता रखता है। यह जड़ नहीं है। यह प्रश्न पूछने की अनुमति देता है। उपनिषदों का पूरा साहित्य प्रश्नों और जिज्ञासाओं पर आधारित है। नचिकेता यमराज से प्रश्न करता है। अर्जुन स्वयं श्रीकृष्ण से प्रश्न करता है। बुद्ध प्रश्न करते हैं। यही भारतीयता की सबसे बड़ी विशेषता है। स्वामी विवेकानंद ने शिकागो धर्म संसद में कहा था—हम केवल सहिष्णुता में ही नहीं, बल्कि सभी धर्मों को सत्य मानकर स्वीकार करने में विश्वास करते हैं। क्या यह विचार किसी संकीणर्ता का प्रतीक हो सकता है? भारतीय सभ्यता की महानता इसी में है कि यहाँ चार्वाक जैसे नास्तिक दर्शन भी सम्मान पाते हैं और आदि शंकराचार्य जैसे अद्वैतवादी संत भी। यहाँ कबीर भी हैं, नानक भी, तुलसी भी और तिरुवल्लुवर भी। यह विविधता किसी संघर्ष से नहीं, बल्कि सहअस्तित्व से उत्पन्न हुई है।

महाभारत और गीता के प्रसंगों को यदि गहराई से समझा जाए, तो वे भी केवल धार्मिक आख्यान नहीं हैं; वे मानव मन के नैतिक संघर्ष की व्याख्या हैं। देवासुर संग्राम का अर्थ केवल देवताओं और असुरों का युद्ध नहीं था। वह मनुष्य के भीतर चलने वाले प्रकाश और अंधकार, विवेक और अहंकार, सत्य और स्वार्थ के संघर्ष का प्रतीक था।

असुर कोई जाति नहीं थी; वह मानसिकता थी- अहंकार की मानसिकता। विनाश की मानसिकता। उस चीज को मिटाने की मानसिकता, जिसे समझा न गया हो। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में अर्जुन से कहा- यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत- अर्थात जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब सत्य और न्याय की स्थापना के लिए चेतना जागृत होती है। कंस का अंत केवल एक राजा का अंत नहीं था; वह अत्याचार पर नैतिकता की विजय का प्रतीक था। महाभारत का युद्ध केवल सत्ता संघर्ष नहीं था; वह धर्म और अधर्म के बीच मनुष्य की चेतना का संघर्ष था। गीता का सबसे बड़ा संदेश युद्ध नहीं, बल्कि कर्तव्य, आत्मसंयम और विवेक है। श्रीकृष्ण अर्जुन को घृणा नहीं सिखाते; वे उसे धर्मसम्मत आचरण का मार्ग बताते हैं।

महात्मा गांधी ने कहा था— मैं सनातनी हिंदू हूँ, क्योंकि हिंदू धर्म मुझे सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाता है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन को मानव आत्मा की सतत यात्रा कहा। वहीं डॉ. भीमराव आंबेडकर, जिन्होंने सामाजिक विषमताओं की तीखी आलोचना की, उन्होंने भी संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता को मौलिक अधिकार बनाया। यह भारत की उदारता का प्रमाण है।

तमिल संस्कृति स्वयं भारतीय अध्यात्म की महान धारा रही है। रामानुजाचार्य ने भक्ति को सामाजिक समरसता से जोड़ा। महाकवि सुब्रमण्यम भारती ने भारतीय सांस्कृतिक एकता का गीत गाया। संत तिरुवल्लुवर ने नैतिकता और मानवीय मूल्यों का संदेश दिया। इसलिए तमिल अस्मिता और सनातन परंपरा को विरोधी बताना इतिहास की वास्तविकता से न्याय नहीं करता।

आज देश का युवा रोजगार, शिक्षा, तकनीकी परिवर्तन, पर्यावरण संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक समरसता जैसे प्रश्नों पर गंभीर विमर्श चाहता है। राजनीति यदि समाज को जोड़ने के बजाय विभाजित करने लगे, तो वह अपने मूल दायित्व से भटक जाती है। सनातन परंपरा ने सदैव मानवता को केंद्र में रखा। उपनिषदों की यह प्रार्थना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है-

असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्माऽमृतं गमय॥

अर्थात हमें असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर और मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। क्या यही तो समस्त मानव सभ्यता की सबसे बड़ी आवश्यकता नहीं है? सभ्यताएँ शोर से नहीं मिटतीं। वे अपने नैतिक बल, ज्ञान, संवेदना और मानवता के कारण जीवित रहती हैं। सनातन ने आक्रमण देखे, साम्राज्य देखे, उपनिवेशवाद देखा, वैचारिक संघर्ष देखे—फिर भी उसका मूल संदेश आज भी जीवित है—

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।

सभी सुखी हों, सभी निरोग हों, सभी का कल्याण हो। अंत में केवल इतना कहना है कि आलोचना कीजिए, विमर्श कीजिए, सुधार कीजिए—यह लोकतंत्र की आत्मा है। किंतु किसी सभ्यता, संस्कृति और करोड़ों लोगों की आस्था के ह्लउन्मूलनह्व की भाषा भारतीय संवैधानिक मर्यादा, लोकतांत्रिक संस्कृति और मानवीय संवाद तीनों के अनुकूल प्रतीत नहीं होती। भारत की आत्मा संघर्ष में नहीं, समन्वय में बसती है। और यही सनातन का सबसे बड़ा संदेश भी है।

(लेखक गैर राजनीतिक समाजसेवी, विचारक एवं आर्य समाज के सुप्रसिद्ध विद्वान हैं।)

देवरानी-जेठानी मंदिर- पत्थरों पर जीवंत इतिहास और रहस्यमयी शिल्प का संगम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की हृदयस्थली में बिलासपुर जिले में बसा ताला केवल एक पुरातत्व स्थल नहीं, बल्कि भारतीय स्थापत्य कला की उस पराकाष्ठा का प्रमाण है, जहाँ पत्थर बोलते हैं। रायपुर-बिलासपुर राजमार्ग पर मनियारी नदी के तट पर स्थित देवरानी-जेठानी मंदिर अपनी अद्वितीय मूर्तिकला और रहस्यमयी रूद्र शिव प्रतिमा के कारण दुनिया भर के इतिहासकारों और पर्यटकों के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है।

मनियारी के तट पर गुप्तकालीन वैभव

बिलासपुर से लगभग 30 किलोमीटर दूर ताला गांव में स्थित ये दो शिव मंदिर लगभग 1500 वर्ष पुराने (छठवीं-सातवीं शताब्दी) माने जाते हैं। पुरातत्वविदों के अनुसार यह गुप्तकालीन स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मनियारी नदी की कलकल ध्वनि के बीच खड़े ये मंदिर कभी एक समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक सत्ता के केंद्र हुआ करते थे।

शैव और तांत्रिक साधना का प्राचीन केंद्र

ताला प्राचीन काल से ही शैव मत और तांत्रिक क्रियाओं का गढ़ रहा है। यहाँ की मूर्तियों के विन्यास से स्पष्ट होता है कि यह स्थल महामृत्युंजय जाप और शिव उपासना के विभिन्न संप्रदायों की गतिविधियों का मुख्य केंद्र था। पास ही स्थित मल्हार (ऐतिहासिक नगर) और धूमनाथ मंदिर इस क्षेत्र की प्राचीन आध्यात्मिक महत्ता की पुष्टि करते हैं।

स्थापत्य कला भग्न अवशेषों में छिपी भव्यता

भले ही समय की मार से जेठानी मंदिर आज भग्न अवस्था में है, लेकिन इसके स्तंभों पर उकेरी गई यक्ष, गण और भारवाहकों की आकृतियां आज भी दशर्कों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। मंदिरों की संरचना में अद्धर्मंडप, अंतराल और गभर्गृह का शास्त्रीय नियोजन दिखाई देता है। उत्तरी भाग में विराजमान विशाल हाथियों की प्रतिमाएं प्राचीन शिल्पकला के वैभव की गवाह हैं।

मूर्तिकला का अद्भुत खजाना रूद्र शिव का रहस्य

ताला की सबसे बड़ी विशेषता यहाँ की रहस्यमयी रूद्र शिव प्रतिमा है। वर्ष 1987-88 के उत्खनन में मिली 2.54 मीटर ऊंची यह प्रतिमा विश्व की दुर्लभतम मूतिर्यों में से एक है, जिसमें अनोखा चमत्कार है। प्रतिमा का हर अंग किसी न किसी जीव की आकृति से बना है। चेहरे पर मयूर, कंधों पर मकर, जंघाओं पर हाथी और पेट पर केकड़े जैसी आकृतियों का ऐसा संयोजन है कि वह शिव के अघोर स्वरूप को साक्षात प्रस्तुत करता है। इसके अतिरिक्त यहाँ चतुर्भुज कातिर्केय, अधर्नारीश्वर और शालभंजिका की दुर्लभ प्रतिमाएं भारतीय मूर्तिकला के स्वर्ण युग की याद दिलाती हैं।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना : आम उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत, आसान हुआ पुराने बिजली बिलों का भुगतान

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, सुनील त्रिपाठी, सहायक संचालक, रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 बीपीएल, घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं के लिए एक राहत पहल है। इसके तहत पुराने बकाये पर सरचार्ज में छूट मिल रही है। बकाया बिजली बिल पर लगने वाला पूरा सरचार्ज (ब्याज) माफ या मूल बकाया राशि एकमुश्त या किस्तों में जमा करने की सुविधा। यह योजना बीपीएल, सामान्य घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं को लंबे समय से लंबित बिजली बिलों के बोझ से मुक्ति दिलाने के लिए लाई गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेशवासियों को आर्थिक राहत प्रदान करने और उनकी दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं का व्यावहारिक समाधान देने के लिए लगातार जनहितकारी निर्णय ले रही है। इसी कड़ी में शुरू की गई मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 लाखों बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत का बड़ा माध्यम बनकर उभरी है। यह योजना विशेष रूप से उन परिवारों के लिए उपयोगी है जो पुराने बकाया बिजली बिल और बढ़ते सरचार्ज के कारण आर्थिक दबाव में थे।

क्या है मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 राज्य सरकार की एक विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं के पुराने और लंबित बिजली बिलों का सरल समाधान उपलब्ध कराना है। योजना के तहत बकाया बिजली बिलों पर लगने वाले सरचार्ज को पूरी तरह माफ किया जा रहा है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को शेष राशि का भुगतान एकमुश्त या आसान किस्तों में करने की सुविधा भी दी गई है। पात्र श्रेणियों के उपभोक्ताओं को मूल बकाया राशि पर भी विशेष छूट का लाभ मिल रहा है।

28 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिल चुकी है राहत

राज्य शासन के अनुसार इस योजना के माध्यम से अब तक प्रदेश के 28 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को 757 करोड़ रुपए से अधिक के सरचार्ज माफ होंगे। यह आंकड़ा दर्शाता है कि योजना न केवल व्यापक स्तर पर लागू की गई है, बल्कि लाखों परिवारों के लिए वास्तविक आर्थिक सहायता का माध्यम भी बनी है।

किन उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

इस योजना का लाभ मुख्य रूप से बीपीएल परिवारों, सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं और कृषि उपभोक्ताओं को दिया जा रहा है। ऐसे उपभोक्ता जिनके बिजली बिल लंबे समय से बकाया हैं और जो एकमुश्त भुगतान करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं, वे इस योजना के माध्यम से अपने बकाया का समाधान कर सकते हैं।

योजना से होने वाले प्रमुख फायदे

सरचार्ज की पूरी माफी, पुराने बकाया बिलों पर लगने वाला सरचार्ज अक्सर मूल राशि से भी अधिक हो जाता है। इस योजना के तहत सरचार्ज की पूर्ण माफी से उपभोक्ताओं को तत्काल बड़ी राहत मिलती है।

आसान किस्तों में भुगतान

बड़ी राशि एक साथ जमा करने की बाध्यता समाप्त हो जाती है। उपभोक्ता अपनी सुविधा और आर्थिक क्षमता के अनुसार किस्तों में भुगतान कर सकते हैं। घरेलू बजट पर कम दबाव और सरचार्ज माफी और किस्त सुविधा से परिवारों को अपने मासिक खर्चों का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलती है।

बिजली विच्छेदन का खतरा कम

बकाया राशि के कारण बिजली कटने की आशंका रहती है। योजना का लाभ लेने से उपभोक्ता नियमित भुगतान व्यवस्था में लौट सकते हैं। इससे किसानों को सीधा लाभ हो रहा है। कृषि उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल के बोझ से राहत मिलती है, जिससे सिंचाई और खेती का कार्य निर्बाध रूप से जारी रह सकता है।

मानसिक तनाव से राहत

लंबित बिलों की चिंता से मुक्ति मिलने पर परिवार आर्थिक रूप से अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं। जो उपभोक्ता लंबे समय से भुगतान नहीं कर पा रहे थे, उन्हें फिर से नियमित भुगतान प्रणाली से जुड़ने का अवसर मिलता है।

योजना का लाभ कैसे प्राप्त करें

योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता अपने नजदीकी बिजली कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त टोल फ्री नंबर 1912 पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। विस्तृत जानकारी और आवश्यक दिशा-निर्देशों के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की आधिकारिक वेबसाइट का उपयोग किया जा सकता है।

योजना की अवधि

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 1 जनवरी 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक प्रभावशील रहेगी। राज्य सरकार ने उपभोक्ताओं से समय रहते योजना का लाभ लेने की अपील की है।

जनहित और सुशासन का प्रभावी उदाहरण

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 राज्य सरकार की संवेदनशील और जनोन्मुखी सोच का उदाहरण है। यह योजना केवल बकाया बिलों के समाधान तक सीमित नहीं है, बल्कि लाखों परिवारों को आर्थिक राहत, मानसिक संतोष और बेहतर वित्तीय प्रबंधन का अवसर भी प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 उन उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत लाभकारी है जो पुराने बिजली बिलों के बोझ से परेशान हैं। सरचार्ज माफी, मूल राशि पर छूट और आसान किस्तों जैसी सुविधाएं इसे एक प्रभावी और जनहितकारी योजना बनाती हैं। यह योजना आम नागरिकों को राहत देने के साथ-साथ उन्हें नियमित भुगतान व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। प्रदेशवासियों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है कि वे इस योजना का लाभ उठाकर अपने लंबित बिजली बिलों का समाधान करें और आर्थिक राहत प्राप्त करें।

श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी

पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है और कार्य-स्थितियां बिगड़ी हैं। नतीजा बढ़ती श्रमिक अशांति है।

भारत में 2025 में श्रमिकों के लिए कम कामकाजी घंटे उपलब्ध हुए। यह तथ्य ताजा आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से सामने आया है। इस हाल के निहितार्थ दूरगामी हैं। बारीक नजर डालें, तो मालूम पड़ेगा कि विभिन्न हिस्सों में इस समय दिख रही श्रमिक अशांति से लेकर एफएमसीजी (यानी तेल-साबुन जैसी रोजमर्रा उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली) कंपनियों पर बढ़ते दबाव के पीछे इसकी भूमिका है। एक खबर के मुताबिक इक्विटी निवेशक भारत की एफएमसीजी कंपनियों से मुंह मोड़ रहे हैं। यानी उन्हें नहीं लगता कि इन कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में स्वस्थ बढ़ोतरी होगी। इस बढ़ोतरी का संबंध आम जन की आमदनी और उपभोग से है, जबकि आमदनी बढ़ने की गुंजाइशें सिकुड़ रही हैं।

पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। भारत की श्रम शक्ति में 56 फीसदी हिस्सा स्वरोजगार कर्मियों का है। जनवरी- दिसबंर 2025 की अवधि में ऐसे कमिर्यो को उपलब्ध काम के घंटों में सबसे बड़ी गिरावट आई। जुलाई 2018 से जून 2019 के बीच ऐसे कमिर्यो को हफ्ते में औसतन 46.6 घंटे का काम मिल जाता था। मगर पिछले वर्ष ये औसत 39.6 घंटे प्रतिशत रहा। दिहाड़ी और वेतनभोगी कमिर्यो के कामकाजी घंटे क्रमशः 43.1 और 50.2 से घटकर 41.2 और 48.8 घंटे रह गए। स्पष्टतः इन सबकी औसत आमदनी घटी। नई परिभाषा के तहत घरेलू कार्य में मददगार परिजनों को भी कामकाजी माना जाता है।

गांवों में ज्यादातर महिलाएं इस दायरे में आती हैं। उनके कामकाजी घंटे 2018-19 के 38.2 घंटों की तुलना में पिछले साल 32.6 घंटे रह गए। नतीजतन, शहरों की तरफ पलायन के रूप में हुआ है, जबकि वहां भी अवसर घटे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है। अतः कंपनियों में उनसे न्यूनतम वेतन पर 12 घंटों तक काम लिया जा रहा है। इसके बावजूद जब रोजमर्रा की जरूरतें पूरी नहीं होतीं, तो नोएडा जैसे हालात बनते हैं। इस कारण मांग और उपभोग भी गिरता है, तो कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होता है। भारत में ये दुश्चक्र गंभीर होता जा रहा है।

ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है चांदी और पारे से बना शिवलिंग

शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है।

आप में से बहुत से लोग ऐसे होंगे जो घर में शिवलिंग की स्थापना करना चाहते होंगे या जिन्होंने घर में शिवलिंग की स्थापना की होगी। शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है। साथ ही, भगवान शिव भी नाराज हो जाते हैं। इसके अलावा, शिवलिंग स्थापना में गलती वास्तु दोष को भी जन्म देती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शिवलिंग की घर में स्थापना करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस धातु का शिवलिंग घर में लाना शुभ होता है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करना शुभ माना जाता है। ऐसा शिवलिंग जो पारे और चांदी को मिलाकर बना हो, उसकी स्थापना से घर में सकारात्मकता का संचार होता है और पूजा में किसी प्रकार का कोई दोष भी नहीं लगता है। इसके अलावा, चांदी और पारे से बना शिवलिंग घर में ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है। घर में ग्रह दोष उत्पन्न हो गया हो या फिर कुंडली में ग्रहों की स्थिति कमजोर हो तो ऐसे में पारद शिवलिंग की स्थापना घर में अवश्य करनी चाहिए। इससे शुभता आती है।

पारद शिवलिंग की घर में स्थापना करने से चंद्रमा की शुभता सबसे अधिक मिलती है क्योंकि चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। चंद्रमा की स्थिति शुभ होती है तो व्यक्ति को मानसिक बल मिलता है। निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और तनाव दूर होने लगता है।

कभी भी दक्षिण में न लगाएं तुलसी के पौधा

कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है। गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें। घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है।

हिन्दू धर्म में शनिदेव को न्यायप्रिय और दंडनायक माना गया है

व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देना शनिदेव के अंतर्गत आता है। इसी कारण से शास्त्रों में शनिदेव को कैसे प्रसन्न किया जाए इसके बारे में भी बताया गया है। इसके अलावा, शास्त्रों में इस बात का भी उल्लेख मिलता है कि शनिदेव को व्यक्ति की कौन सी आदतें पसंद नहीं हैं जिनके कारण वह क्रोधित हो जाते हैं। आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य से इस बारे में विस्तार से।

बाथरूम और रसोई को साफ न करना

बाथरूम-टॉयलेट में राहु ग्रह का अधिकार माना गया है। वहीं, रसोई में मां अन्नपूर्णा का निवास होता है। ऐसे में अगर घर का टॉयलेट, बाथरूम या घर की रसोई स्वच्छ न हो तो शनिदेव नाराज हो जाते हैं। इसी कारण से कहा जाता है कि रोजाना बाथरूम, टॉयलेट और रसोई की साफ सफाई करनी चाहिए।

किसी से लिए हुए पैसे न लौटाना

अगर आपने किसी से पैसे उधार लिए हैं और समय पर लौटाए नहीं है तो इस आदत से भी शनिदेव नाराज हो जाते हैं। कभी-कबार की बात अलग है, लेकिन अगर आप हमेशा ही ऐसे करते हैं तो यह उचित नहीं है। इससे न सिर्फ शनिदेव बल्कि सभी अन्य ग्रह भी रुष्ट हो सकते हैं।

पैर को घसीटते हुए चलना

कुछ लोगों की आदत होती है पैर को उठाकर चलने की बजाय घसीटते हुए चलने की। ऐसा कहा जाता है कि पैर घसीटकर चलना एक प्रकार से शनिदेव का अपमान करने के समान है क्योंकि शनिदेव की चाल धीमी और आघात लगने के कारण घसीटकर चलने वाली है।

बैठे-बैठे पैर हिलाते रहना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह बैठ कर काम कर रहे हों या फिर खाली बैठे हों, अपने पैरहिलाते रहेंगे। इस आदत से भी शनिदेव क्रोधित होते हैं। हर समय पैर हिलाने से राहु को बल मिलता है और राहु का दुष्प्रभाव बढ़ने लगता है।

लड्डू गोपाल की सेवा में इन नियमों का पालन करना आवश्यक

आप में से बहुत से लोगों के घर लड्डू गोपाल की सेवा होती होगी। लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़े कई नियम शास्त्रों में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए नहीं तो लड्डू गोपाल की सेवा में दोष लगता है। इसके अलावा, शास्त्रों में यह भी उल्लेख मिलता है कि जब लड्डू गोपाल नाराज होते हैं या किसी व्यक्ति से प्रसन्न होते हैं तो कई प्रकार के संकेत उस व्यक्ति को मिलने लगते हैं।

इन चीजों के बिना घर में नहीं रखने चाहिए लड्डू गोपाल?

आजकल ज्यादातर घरों में लड्डू गोपाल देखने को मिल जाते हैं। लोग पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ लड्डू गोपाल को अपने घर ले जाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ नियमों का पालन आवश्यक माना गया है। इन नियमों की अनदेखी करने से लड्डू गोपाल की सेवा में दोष पैदा होता है और उनकी सेवा की विधि दूषित हो जाती है। घर में लड्डू गोपाल को कुछ चीजों के बिना बिलकुल स्थापित नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उनकी सेवा में बाधा आती है और पूजा का पूरा फल भी नहीं मिलता है।

घर में बंसी के बिना न रखें लड्डू गोपाल

बंसी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। लड्डू गोपाल श्री कृष्ण का बाल स्वरूप हैं। ऐसे में उन्हें घर में बिना बंसी (बंसी के उपाय) के स्थापित करना उचित नहीं माना गया है।

घर में पालने के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की सेवा बालक के रूप में की जाती है। ऐसे में अगर लड्डू गोपाल को घर लाना है तो पहले घर में पालना अवश्य लगाना चाहिए।

घर में मंदिर के बिना न रखें लड्डू गोपाल

कई लोग लड्डू गोपाल को मंदिर में रखने के बजे अपने कमरे में ही स्थापित कर देते हैं। बिना मंदिर के लड्डू गोपाल को घर में नहीं रखना चाहिए।

श्री राधा के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की मूर्ति घर में रखना चाहते हैं तो साथ में श्री राधा रानी के बाल स्वरूप की प्रतिमा भी अवश्य स्थापित करें। बिना राधा कृष्ण कहां।

लड्डू गोपाल के खुश होने के संकेत

लड्डू गोपाल जब प्रसन्न होते हैं तो इसका सबसे पहले संकेत तुलसी के माध्यम से मिलता है। अगर आपके घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो वह पौधा अपेक्षा से ज्यादा ही तेजी से बढ़ने लगेगा। इसके अलावा, तुलसी की पत्तियां हरी से बैंगनी होनी शुरू हो जाएंगी क्योंकि बैंगनी रंग की पत्तियों को श्यामा तुलसी कहा जाता है।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको हर पल उनके पास होने का आभास होना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा, जब भी आपका मन परेशान होगा तो आपको बांसुरी की धुन बजती से महसूस होगी।

आपको ऐसा लगेगा कि स्वयं लड्डू गोपाल आपके पास बैठकर बांसुरी बजा रहे हैं। आपको उनका स्पर्श महसूस होने लगेगा।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको आपके घर में दिव्य ऊर्जा का आभास होने लगेगा। इसके अलावा, अगर आपके घर में कहीं से अचानक मोरपंख आ गिरे या आपको अचानक ही मोर के दर्शन हो जाएं तो यह भी एक संकेत है कि लड्डू गोपाल न सिर्फ आपसे प्रसन्न हैं बल्कि वह हर कदम पर आपके साथ हर स्थिति में हैं।

लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों से स्नान कराना चाहिए?

हम से बहुत से लोगों के घर में लड्डू गोपाल स्थापित होंगे। ऐसा माना जाता है कि लड्डू गोपाल स्वयं जिससे अपनी पूजा-सेवा करवाना चाहते हैं सिर्फ उसी के मन में प्यार का भाव जगाते हैं। अगर लड्डू गोपाल को किसी से अपनी सेवा-पूजा नहीं करवानी है तो वह लाख कोशिश क्यों न करे उसे लड्डू गोपाल को घर लाने का मौका नहीं मिल पाता है। वहीं, लड्डू गोपाल की पूजा की बात करें तो शास्त्रों में पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताये गए हैं। वहीं, लड्डू गोपाल के स्नान के बारे में भी बहुत कुछ वर्णन मिलता है, जैसे कि लड्डू गोपाल को कब स्नान कराना चाहिए, किसी विधि से स्नान कराना चाहिए और किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना चाहिए।

लड्डू गोपाल को कराएं गोपीचंदन से स्नान

गोपी चंदन लड्डू गोपाल का अति प्रिय माना जाता है। ऐसे में लड्डू गोपाल को रोजाना गोपी चंदन (चंदन के उपाय) से स्नान कराना चाहिए। गोपी चंदन से स्नान कराने से न सिर्फ लड्डू गोपाल प्रसन्न होते हैं बल्कि उनकी नित्य रूप से शुद्ध बनी रहती है।

लड्डू गोपाल को कराएं केसर से स्नान

लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय केसर का प्रयोग भी किया जा सकता है। केसर से स्नान कराने से लड्डू गोपाल का मन हर्षित रहता है और उनकी कृपा से घर में शुभता एवं सकारात्मकता बनी रहती है। घर में खुशहाली का आगमन होता है। लड्डू गोपाल को कराएं पंचामृत से स्नान लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराना भी शुभ माना जाता है। हालांकि रोजाना पंचामृत का प्रयोग करने पर मनाही है। पंचामृत से स्नान मात्र मंदिरों में रोजाना होता है। घर में लड्डू गोपाल को उत्सव पर ही पंचामृत स्नान कराना चाहिए।

श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है वृंदावन की हर गली और मंदिर

चौरासी कोस में समाये ब्रज का गढ़ है वृंदावन धाम जहां की हर एक गली और मंदिर श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है। वृंदावन में कई ऐसे मंदिर या स्थान हैं जो रहस्यमयी हैं और चात्मकारों की कहानियों से परिपूर्ण हैं। ऐसा ही एक मंदिर और है जिसके लिए यह कहा जाता है कि इस मंदिर में से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम का मार्ग जाता है।

वृन्दावन का रहस्यमयी मंदिर वृन्दावन में एक मंदिर ऐसा भी है जो दक्षिण शैली के आधार पर निर्मित है। इस मंदिर का नाम है रंगनाथ मंदिर। ब्रज में इस मंदिर (मंदिर जानें के लाभ) को रंगजी मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में भगवान रंगनाथ स्थापित हैं। इस मंदिर में मौजूद एक ऐसे द्वार के बारे में सुनने को मिलता है जो साल में मात्र एक बार खुलता है। यह द्वार वैकुण्ठ द्वार के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस द्वार के पीछे से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम तक का मार्ग जाता है। यही कारण है कि इस द्वार को वैकुण्ठ द्वार कहा जाता है। सिर्फ वैकुण्ठ द्वादशी के दिन इस द्वार को खोला जाता है। वैकुण्ठ (वैकुंठ और गोलोक धाम में अंतर) द्वादशी के दिन ही रंगनाथ भगवान इस द्वार से दर्शन देते हैं। इस द्वार को लेकर कई मान्यताएं भी हैं। एक मान्यता कहती है कि जो भी व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होता है अगर उसके पुण्यों के चलते उसे वैकुण्ठ धाम की प्राप्त होती है तो उसकी आत्मा विश्व में कहीं भी हो वह रंगजी मंदिर के इस वैकुण्ठ द्वार से भगवान विष्णु के धाम जाती है। दूसरी मान्यता यह है कि जो भी व्यक्ति इस वैकुण्ठ धाम के दर्शन कर लेता है उसे जीवन भर भगवान विष्णु का साथ और सानिध्य प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की कृपा हमेशा उस व्यक्ति पर बनी रहती है।

मॉर्डन अंदाज में आलिया ने कान्स में लूटी महफिल

देसी एक्सेसरीज के साथ पहना साड़ी वाला गाउन

कान्स फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन आलिया भट्ट ने अपने लुक्स से एक बार फिर ग्लोबल लेवल पर तहलका मचा दिया। 13 मई को इंडियन पवेलियन के ओपनिंग इवेंट के अवसर पर आलिया का एक ऐसा रूप देखने को मिला, जिसने मॉडर्न फैशन और भारतीय परंपरा के बीच की दूरी को खत्म कर दिया। जहां उनके पहले दोनों लुक्स पूरी तरह वेस्टर्न थे, वहीं इस मॉर्डन बहू वाले अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया। इस लुक में धोती स्कर्ट, नथ, बिंदी और पायल जैसे पारंपरिक एलिमेंट्स को इतनी खूबसूरती से पिरोया गया था कि हर कोई उनकी तारीफ करने पर मजबूर हो गया।

तरुण तहिलियानी की कस्टम चंदेरी आउटफिट

आलिया भट्ट के इस खास दिन के लिए मशहूर डिजाइनर तरुण तहिलियानी ने एक खास कस्टम आउटफिट तैयार किया था। इस आउटफिट की सबसे बड़ी खूबी इसका फैब्रिक था आइवरी चंदेरी। मध्य प्रदेश के चंदेरी शहर की पहचान यह रॉयल हैंडवूवन फैब्रिक अपनी सूक्ष्म चमक और हल्केपन के लिए जाना जाता है। रिया कपूर द्वारा स्टाइल किए गए इस लुक में भारतीय बुनाई की विरासत को एक आधुनिक सिल्हूट के साथ जोड़ा गया था, जिससे आलिया को एक बेहद जेंटल और रॉयल वाइब्स मिल रही थीं।

साड़ी और धोती का अनोखा ड्रेपिंग स्टाइल

आलिया के इस आउटफिट का आधार एक धोती स्कर्ट थी, जिसे साड़ी की तरह ड्रेप किया गया था। नीचे की तरफ दी गई धोती-स्टाइल प्लीट्स इसे एक स्ट्रक्चर्ड लेकिन फ्लोइंग लुक दे रही थीं। फैब्रिक पर बारीक सुनहरे मोटिफ्स और बॉर्डर पर की गई महीन कढ़ाई इसे और भी कीमती बना रही थी। पल्लू के हिस्से को बहुत ही क्रिएटिव तरीके से इस्तेमाल किया गया था, एक तरफ के पल्लू को लंबी ट्रेल की तरह पीछे छोड़ा गया था, जबकि दूसरी ओर फ्लोरल पैटर्न वाले पल्लू को आलिया अपने हाथों पर पिनअप करके कैरी करती दिखीं।पारंपरिक धोती और साड़ी के साथ आलिया ने एक आधुनिक कॉर्सेट पेयर किया था। यह कॉर्सेट इस पूरे लुक का सबसे मेन और ड्रामेटिक एलिमेंट था। डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन और बॉडी-हगिंग फिटिंग वाले इस कॉर्सेट पर धागों का जटिल काम, जरी की कढ़ाई और मोतियों की कारीगरी की गई थी। इसके कंधे पर लगा ड्रेप और शीयर स्लीव्स का प्रभाव इसे किसी गाउन जैसा लुक भी दे रहा था। आइवरी रंग पर उसी रंग की एम्ब्रॉयडरी और हल्का गोल्ड वर्क इसे लाउड होने से बचाकर एलिगेंट बना रहा था।

12वीं तक भी नहीं की पढ़ाई, पर कमाई करोड़ों में

आज बात बॉलीवुड के 5 ऐसे सितारों की करते हैं, जो पढ़ाई के मामले में 12वीं पास भी नहीं हैं. पर कमाई के मामले में वो किसी से कम नहीं हैं. लिस्ट में एक एक्टर तो ऐसा है, जो एक फिल्म के लिए 75 करोड़ रुपये की फीस ले रहा है.

शुरुआत सोनम कपूर से. एक बार उन्होंने खुद बताया था कि उन्होंने अपनी 12वीं की पढ़ाई पूरी नहीं की थी. उन्होंने साल 2007 में आई रणबीर कपूर की फिल्म सावरिया से डेब्यू किया था. आज वो टॉप की एक्ट्रेस हैं. एक फिल्म के लिए वो 4-5 करोड़ रुपये की फीस चार्ज करती हैं.

लिस्ट में एक नाम अर्जुन कपूर का भी है, जो 12वीं में फेल हो गए थे. हालांकि, आज वो एक बड़े बॉलीवुड एक्टर हैं. उन्होंने साल 2012 में इशकजादे से अपना करियर शुरू किया था. आज वो भी तगड़ी फीस चार्ज करते हैं. अजय देवगन की सिंघम अगेन के लिए उन्होंने 10 करोड़ रुपये लिए थे.

बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस काजोल भी स्कूल ड्रॉप आउट हैं. बॉलीवुड में उन्होंने खूब नाम कमाया है. आज उनके पास किसी भी चीज की कोई कमी नहीं है. वो एक फिल्म में काम करने के लिए 3-4 करोड़ रुपये की फीस चार्ज करती हैं.

इस लिस्ट में अगला नाम कटरीना कैफ का है. उनके बारे में बताया जाता है कि वो कभी स्कूल ही नहीं गईं, लेकिन एक्टिंग की दुनिया में उन्होंने खूब नाम कमाया. वो एक फिल्म में काम करने के लिए 15 करोड़ रुपये से यादा की फीस चार्ज करती हैं.

आखिरी नाम है रणबीर कपूर का. उन्होंने सिर्फ 10वीं तक पढ़ाई की है, लेकिन बॉलीवुड में आज टॉप के स्टार हैं. अभी वो नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही रामायण पर काम कर रहे हैं, जिसके दो पार्ट के लिए वो 150 करोड़ की फीस ले रहे हैं. यानी एक फिल्म के लिए उन्होंने 75 करोड़ चार्ज किए हैं(

कान्स में पंजाबी एक्ट्रेस का डेब्यू

फ्रांस में कान्स फिल्म फेस्टिवल चल रहा है. दुनियाभर के सितारों की मौजूदगी इस फेस्टिवल में दिख रही है. भारत से आलिया भट्ट, तारा सुतारिया, उर्वशी रौतेला समेत और भी कई सितारे इस महोत्सव का हिस्सा बने. अब कान्स से एक और भारतीय एक्ट्रेस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं.

इस एक्ट्रेस का नाम रूपिंदर कौर गिल है, जो पंजाबी सिनेमा में काम करती हैं. उन्हें लोग रूपी गिल के नाम से भी जानते हैं. वो एक्ट्रेस होने के साथ-साथ मॉडल भी हैं. इस साल रूपी गिल ने कान्स में डेब्यू किया. डेब्यू करते ही वो अपने देसी अंदाज से छा गईं.

दरअसल, कान्स में शामिल होने के लिए रूपी गिल ने देसी आउटफिट चुना. वो व्हाइट आइवरी आउटफिट में नजर आईं. उन्होंने सिर पर दुपट्टा ओढ़ रखा था. हाथ में कड़ा पहन रखा था. साथ ही उन्होंने डायमंड-एमराल्ड वेलरी भी कैरी की. इस देसी अवतार में वो काफी खूबसूरत लगीं . अपने देसी अवतार से रूपी गिल ने कान्स के मंच पर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया. उन्होंने खुद ही ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. रूपी गिल पिछले 9 सालों से पंजाबी सिनेमा में काम कर रही हैं. उन्होंने धीरे-धीरे अच्छी खासी पॉपुलैरिटी हासिल की है. उन्होंने साल 2017 में करण औजला के म्यूजिक वीडियो यारियां च फिक से डेब्यू किया था. इस गाने के जरिए वो लोगों की नजरों में आ गई थीं. उसके अगले साल ही उन्होंने अपना फिल्मी डेब्यू भी किया. उनकी पहली फिल्म का नाम है अश्के.

डेब्यू करने के बाद रूपी गिल लगातार पंजाबी फिल्मों में काम कर रही हैं. वो लाइये जे यारियां, मां दा लाड़ला, परिंदा पार गया, जट्ट नू चुड़ैल टकरी, बीबी रजनी और मझाइल जैसी फिल्मों में भी दिख चुकी हैं. पंजाबी सिनेमा के बाद अब वो कान्स के मंच पर भी छा गई हैं.

निर्माण कार्यों में लापरवाही पर कलेक्टर सख्त, ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने के दिए निर्देश

डोंगरगढ़ एसडीओ को कारण बताओ नोटिस, कलेक्टर ने कहा– गुणवत्तापूर्ण काम समय पर पूरा करें

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेंद्र यादव ने बुधवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को अधोसंरचना के काम गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर ने ठीक से काम न करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने को कहा।

डोंगरगढ़ में सड़क कार्य धीमा, एसडीओ को नोटिस

समीक्षा के दौरान लोक निर्माण विभाग के स्वीकृत और निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली गई। डोंगरगढ़ विकासखंड में सड़क निर्माण की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी जाहिर की और एसडीओ डोंगरगढ़ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

सभी विभागों को दिए निर्देश

कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग सेतु, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन समेत अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में पुल-पुलिया, जनपद पंचायत के निर्माण कार्य, जलाशय जीर्णोद्धार, नहर लाइनिंग के मरम्मत कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय पर पूरा करने को कहा। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के तहत डीएमएफ, शिक्षा मद, मुख्यमंत्री घोषणा, महिला एवं बाल विकास विभाग, महतारी सदन योजना के कार्यों की भी समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के पूर्ण व प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेकर इन्हें जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर शीतल बंसल समेत सभी निर्माण विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खास खबर

छोटी बचत से बदली जिंदगी : बिहान से जुड़कर सीमा साहू ने चुकाया कर्ज

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छोटी-छोटी बचत से बड़ी सफलता की मिसाल ग्राम सिंघोली की श्रीमती सीमा साहू ने पेश की है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर सीमा ने न सिर्फ साहूकार का कर्ज चुकाया, बल्कि सिलाई और जैविक खेती से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत की है।

कर्ज से बचत तक का सफर : चंद्रहासिनी स्वसहायता समूह से जुड़ी सीमा साहू संयुक्त परिवार में रहती हैं। ननद और देवर की शादी के लिए उन्होंने साहूकार से ब्याज पर कर्ज लिया था। गांव में पहले से बने महिला समूहों से प्रेरणा लेकर सीमा ने खुद का समूह बनाया और 10 महिलाओं को जोड़ा। संकुल से समूह को शुरुआती 15 हजार रुपये मिले। समूह की मदद से सीमा ने थोड़ी-थोड़ी बचत कर कर्ज चुकाया।

खेती और सिलाई से सुधरी आमदनी : कर्ज चुकाने के बाद सीमा ने समूह से राशि लेकर रेगहा की भूमि पर खेती शुरू की। कृषि मित्र के तौर पर जैविक खेती भी कर रही हैं। साथ ही सिलाई के व्यवसाय से प्रतिमाह करीब 8 हजार रुपये की आमदनी हो रही है। सीमा ने बताया कि बिहान से जुड़ने के बाद आत्मविश्वास बढ़ा है। वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिला रही हैं। उनकी बेटी नर्सिंग का कोर्स कर रही है।

लघु उद्यम का है सपना : भविष्य में सीमा लघु उद्यम से जुड़कर दुकान खोलना चाहती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता बढ़ने से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बल मिला है। बिहान योजना से जुड़कर महिलाएं बचत, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

मोहारा धान उपार्जन केंद्र में 30 लाख का गबन, केंद्र प्रभारी समेत तीन पर एफआईआर

राजनांदगांव। सेवा सहकारी समिति मोहारा के धान उपार्जन केंद्र में लाखों के गबन का मामला उजागर हुआ है। प्रशासन की आकस्मिक जांच में 995.68 क्विंटल धान की अफरा-तफरी पाई गई, जिसकी कीमत 30 लाख 86 हजार 608 रुपये आंकी गई है। मामले में केंद्र प्रभारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर और एक खरीदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

निरीक्षण में पकड़ा गया वाहन : अवैध धान परिवहन की सूचना पर सहायक खाद्य अधिकारी द्रोण कामड़े, तहसीलदार डोंगरगढ़ अमीय श्रीवास्तव और अतिरिक्त तहसीलदार सोनित मेरिया ने मोहारा केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रभारी संतोष वर्मा अनुपस्थित मिले। मौके पर वाहन क्रमांक सीजी 08 एल 1049 पकड़ा गया। चालक सुंदरलाल साहू ने बताया कि वह खैरी निवासी राजू वर्मा के कहने पर बिना वैध दस्तावेज धान लोड कर ले जा रहा था।

सूखत बताकर किया गबन : विभागीय आंकड़ों के मिलान में पता चला कि समिति ने कुल खरीदे गए धान में से 995.68 क्विंटल धान को कम परिदान दिखाते हुए सूखत बता दिया था। असल में इस धान को फर्जी तरीके से बचाकर अवैध रूप से बेचा जा रहा था। केंद्र प्रभारी और कमर्चारियों ने निजी लाभ के लिए कस्टम मिलिंग नीति 2025-26 का उल्लंघन कर शासन को 30.86 लाख रुपये से अधिक की क्षति पहुंचाई।

तीन पर केस दर्ज : जांच प्रतिवेदन के आधार पर धान उपार्जन केंद्र मोहारा के प्रभारी संतोष वर्मा, कम्प्यूटर ऑपरेटर वेद प्रकाश साहू और ग्राम खैरी निवासी अनाधिकृत खरीदार राजू वर्मा के खिलाफ थाने में मामला दर्ज किया गया है। प्रशासन ने कहा कि शासन की नीति के विरुद्ध कार्य

राजस्थान के अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश, 4 बड़ी वारदातों का हुआ खुलासा

छत के रास्ते दुकानों में घुसकर की थी 14 लाख से अधिक की चोरी

ये थीं चार बड़ी वारदातें

नंदलाल हार्डवेयर, महावीर चौक : 3-4 सितंबर 2025 की रात गल्ले से 60 हजार रुपये नगद चोरी।

गणेश मेडिकल स्टोर, मानव मंदिर चौक : 17-18 सितंबर 2025 की रात 7 लाख रुपये नगद चोरी।

नरेश वॉच, मानव मंदिर चौक : 17-19 सितंबर 2025 के बीच 2.50 लाख रुपये नगद और 12-13 कीमती घड़ियां चोरी।

संगम साड़ी दुकान, हमालपारा : 26-27 अगस्त 2025 की रात 3 लाख रुपये नगद और एक पुरानी सोने की चेन समेत 4 लाख की चोरी।

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कोतवाली और साइबर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में राजस्थान के अंतरराज्यीय शातिर चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह ने शहर की चार दुकानों में छत के रास्ते घुसकर 14.10 लाख रुपये से अधिक की चोरी की थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी को बांसवाड़ा जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया है।

सीसीटीवी और टावर डंप से मिली कड़ी

वारदातों की गंभीरता को देखते हुए एएसपी कीर्तन राठौर और सीएसपी अलेक्जेंडर किरों, वैशाली जैन के मार्गदर्शन में विशेष टीम बनाई गई। सीसीटीवी फुटेज, टावर डंप और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के गिरोह की संलिप्तता सामने आई।

मुख्य आरोपी गिरफ्तार, तीन फरार

पुलिस ने मुख्य आरोपी दिनेश चरपोटा, 36 वर्ष, निवासी गणेशीलाल का पाड़ला, थाना भुंगड़ा, जिला बांसवाड़ा को केंद्रीय जेल बांसवाड़ा से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया। अन्य फरार आरोपी हरिश उर्फ हरिया चरपोटा, परमेश उर्फ फंटू चरपोटा और सुनील चरपोटा की तलाश जारी है। सभी आरोपी बांसवाड़ा, राजस्थान के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में राजनांदगांव पुलिस द्वारा अपराधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

43 पेटी गोवा व्हिस्की जब्त, तस्करी में प्रयुक्त लग्जरी कार सहित 15 लाख का मशरूका बरामद

थाना बागनदी और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने अंतर्राज्यीय शराब तस्करी का खुलासा करते हुए मध्यप्रदेश ले जाई जा रही 43 पेटी गोवा व्हिस्की अंग्रेजी शराब जब्त की है। तस्करी में प्रयुक्त विक्टोरियस कार सहित कुल 15 लाख 17 हजार 250 रुपये का मशरूका बरामद हुआ है। नाकाबंदी तोड़कर भागने के दौरान आरोपियों ने पुलिस वाहन को टक्कर भी मारी। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

रात 2 बजे हुई कार्रवाई : एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 14 मई की रात करीब 2 बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग की विक्टोरियस कार क्रमांक इछ08 ळइ 7988 में बड़ी मात्रा में गोवा व्हिस्की मध्यप्रदेश ले जाई जा रही है। थाना प्रभारी नंदकिशोर गौतम के नेतृत्व में बागनदी चौक पर नाकाबंदी की गई।

बैरिकेड तोड़कर भागे, गड्ढे में उतरी कार : पुलिस ने वाहन रोकने का प्रयास किया तो चालक ने बैरिकेड तोड़ते हुए पुलिस की स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी और तेज रफ्तार से भागने लगा। पीछा करने पर अनियंत्रित होकर कार सड़क किनारे गड्ढे में उतर गई। पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन में सवार दो आरोपियों को पकड़ा।

दुर्ग के दो आरोपी गिरफ्तार : गिरफ्तार आरोपियों की पहचान किशन धीवर, 25 वर्ष, निवासी वार्ड 19, जेवरा सिरसा, जिला दुर्ग और करण केंवट, 21 वर्ष, निवासी स्मृति नगर चौक, भिलाई, जिला दुर्ग के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने शराब जेवरा सिरसा निवासी गोलू सरदार उर्फ सवेन्दर सिंह के लिए ले जाना और आमगांव निवासी सोनू द्वारा उपलब्ध कराना बताया। दोनों फरार हैं।

11.90 लाख की सिगरेट चोरी का खुलासा, महाराष्ट्र के 3 अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सिटी कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने सिगरेट चोरी के बड़े मामले का खुलासा करते हुए महाराष्ट्र के तीन अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पुराना रेस्ट हाउस स्थित आरसीएम इंटरप्राइजेज के गोदाम से 11.90 लाख रुपये की सिगरेट चोरी की थी। वारदात में प्रयुक्त 10 लाख रुपये की अर्टिगा कार भी जब्त की गई है।

गोदाम का ताला तोड़कर ले गए थे 6.5 कार्टून सिगरेट

प्रार्थी राहुल तेजवानी, निवासी सिंधी कॉलोनी लालबाग ने 1 मई को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 30 अप्रैल रात 9 बजे से 1 मई सुबह 5 बजे के बीच अनमोल परिसर स्थित उनके गोदाम से अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर गोल्ड किंग, गोल्ड फ्लेग, क्लासिक माइंड सहित विभिन्न ब्रांड की कुल 6.5 कार्टून सिगरेट चोरी कर ली। चोरी गई सिगरेट की कीमत 11,90,000 रुपये आंकी गई। थाना कोतवाली में अपराध क्र. 234/2026 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया।

जबलपुर और पुणे से पकड़े गए आरोपी

एसपी अंकिता शर्मा के निर्देश पर एएसपी कीर्तन राठौर और सीएसपी वैशाली जैन, अलेक्जेंडर किरों के मार्गदर्शन में टीम गठित की गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर टीम को जबलपुर और पुणे भेजा गया। जबलपुर से सागर घोड़के, 29 वर्ष, निवासी विद्या नगर चिंचवड़ पुणे और कुणाल पांडुरंग जाधव, 26 वर्ष, निवासी नाम नगर चिंचवड़ पुणे को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों ने विपुल संदीप विटकर और विक्रम राजपूत के साथ अर्टिगा कार क्रमांक एमएच 12 व्हीजेड 7339 से आकर चोरी करना कबूल किया।

कार जब्त, एक आरोपी अब भी फरार

आरोपियों के कब्जे से अर्टिगा कार जब्त की गई है। पुणे से तीसरे आरोपी विपुल विटकर, 21 वर्ष, निवासी राजनगांव एमआईडीसी पुणे को 14 मई को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। मुख्य आरोपी विक्रम सिंह राजपूत निवासी पुणे फरार है, जिसकी तलाश जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मिलन सिंह, साइबर सेल प्रभारी विनय पम्मार, निरीक्षक नंदकिशोर गौतम, उप निरीक्षक नरेश बंजारे समेत पुलिस टीम की भूमिका रही।

पेट्रोल-डीजल की जमाखोरी न हो, नियमानुसार करें बिक्री: कलेक्टर

जिले में ईंधन की आपूर्ति सामान्य, औद्योगिक कार्य के लिए रिटेल पंप से डीजल-पेट्रोल देने पर रोक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेंद्र यादव ने बुधवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में पेट्रोल-डीजल पंप संचालकों की बैठक ली। उन्होंने संचालकों को नियमानुसार पेट्रोल-डीजल की बिक्री करने और जमाखोरी न करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि नियम के विरुद्ध रिटेल पेट्रोल पंप से औद्योगिक कार्य के लिए पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाए।

आपूर्ति सामान्य, संकट नहीं : कलेक्टर ने बताया कि जिले में पेट्रोल एवं डीजल की सतत आपूर्ति हो रही है और किसी तरह के संकट की स्थिति नहीं है। उन्होंने सभी पंप संचालकों से कहा कि आवश्यकतानुसार नियमों के तहत पेट्रोल-डीजल देना सुनिश्चित करें। ईंधन की बचत को ध्यान में रखते हुए उपयोग किया जाए।

मूल्य निर्धारण की सूचना दें : कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में आपूर्ति एवं मांग के अनुरूप मूल्य का निर्धारण होना चाहिए और इसकी सूचना खाद्य विभाग को दी जाए। पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति की निगरानी करने तथा नियमानुसार कार्य नहीं करने पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर शीतल बंसल, खाद्य अधिकारी रविंद्र सोनी समेत अन्य अधिकारी और पेट्रोल-डीजल पंप संचालक उपस्थित रहे।

डोंगरगढ़ के माढ़ी तराई में 2300 बोरी अवैध खाद जब्त, गोदाम सील

ग्राम माढ़ी तराई में प्रशासन की कार्रवाई, अवैध भंडारण पर कसा शिकंजा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम माढ़ी तराई में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 2300 बोरी अवैध खाद जब्त की है। छापेमारी के बाद गोदाम को सील कर दिया गया है।

प्रशासन को सूचना मिली थी कि ग्राम माढ़ी तराई में बड़े पैमाने पर अवैध खाद का भंडारण किया जा रहा है। सूचना पर कृषि विभाग और राजस्व की संयुक्त टीम ने गोदाम पर दबिश दी। जांच में करीब 2300 बोरी खाद बिना वैध दस्तावेज के मिली, जिसे जब्त कर गोदाम सील कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि जब्त खाद की कीमत और स्रोत की जांच की जा रही है। अवैध भंडारण में शामिल लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिले में अवैध खाद-बीज के खिलाफ अभियान लगातार जारी है।

जिला प्रशासन बस से पहुंचा अंतिम छोर के गांव साल्हे, 14 पंचायतों की समस्याओं का मौके पर समाधान

राशन कार्ड से लेकर अधिकार पत्र तक बांटे, हितग्राहियों को योजनाओं का मिला सीधा लाभ

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सुशासन तिहार के तहत बुधवार को पूरा जिला प्रशासन बस से छुरिया विकासखंड के अंतिम छोर के दूरस्थ ग्राम साल्हे पहुंचा। ग्राम पंचायत साल्हे क्लस्टर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 14 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और मौके पर निराकरण किया गया।

हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

शिविर में पीएम आवास योजना के 8 हितग्राहियों को पूणर्ता प्रमाण पत्र दिए गए। 15 को नया राशन कार्ड, 15 को जॉब कार्ड, 7 को पेंशन स्वीकृति, 5 को श्रमिक कार्ड और 4 को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। 4 बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाए गए। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 16 हितग्राहियों को शौचालय निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति और 14 स्वच्छता दीदियों को किट दी गई। कृषि विभाग ने 3 हितग्राहियों को मूंग बीज बांटे। बिहान योजना में 2 महिला स्वसहायता समूहों को 6-6 लाख रुपये का ऋण दिया गया। स्वामित्व योजना के तहत 10 हितग्राहियों को अधिकार पत्र सौंपे गए। मत्स्य विभाग ने मछुआ समूहों को जाल और आइस बॉक्स दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर सुपोषण किट बांटी।

अब प्रशासन गांव पहुंच रहा

जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव ने कहा कि सुशासन तिहार शासन-प्रशासन और ग्रामीणों के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बन रहा है। पहले लोगों को कार्यालय जाना पड़ता था, अब पूरा प्रशासन गांव पहुंच रहा है। उन्होंने ग्राम साल्हे में मुक्तिधाम निर्माण की घोषणा की और 10वीं-12वीं के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया।

62 शिविर आयोजित, राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण

जनपद पंचायत छुरिया अध्यक्ष संजय सिन्हा ने कहा कि ग्रामीणों को अब छोटी समस्याओं के लिए मुख्यालय नहीं जाना पड़ेगा। अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय ने बताया कि 1 मई से 10 जून तक प्रदेश में सुशासन तिहार चल रहा है। जिले में 10-15 पंचायतों के क्लस्टर बनाकर 62 शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जा रहा है।

शिविर में जिला पंचायत सदस्य गोपाल सिंह भुआर्य, बिरम मण्डावी, जनपद उपाध्यक्ष प्रशांत ठाकुर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष गीता साहू, एसडीएम श्रीकांत कोर्राम, तहसीलदार विजय कोठारी समेत 14 ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भुईया पोर्टल में नाम सुधार कराने किसान ने दिया आवेदन

डंगनिया नाला पुल निर्माण में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा नहीं मिलने से किसान हुए परेशान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 100 आवेदन प्राप्त हुए।

अरसनारा में अवैध मुरुम खनन की ग्रामीणों ने की शिकायत, जनदर्शन में प्राप्त हुए 100 आवेदन

इसी कड़ी में ग्राम कोड़िया के ग्रामवासियों ने वार्ड क्रमांक 2 में सड़क, नाली एवं बिजली पोल जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग की। ग्रामवासियों ने बताया कि वार्ड में लगभग 20 से 50 परिवार निवासरत हैं। नाली व्यवस्था नहीं होने से गंदा एवं बारिश का पानी घरों के आसपास जमा हो रहा है, जिससे गंदगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। गली में सड़क निर्माण के बाद पानी निकासी बाधित हो गई है। वहीं सरपंच द्वारा गली में गड्ढा खोद दिए जाने से जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई है। बरसात में लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसकी शिकायत कई बार ग्राम पंचायत एवं सरपंच से की गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हो पाया है। इस पर कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम अटारी तहसील पाटन के किसानों ने डंगनिया नाला पर उच्चस्तरीय पुलमय पहुंच मार्ग निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा अब तक नहीं मिलने की शिकायत की। किसानों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग सेतु द्वारा भूमि अधिग्रहण कर पुल निर्माण कार्य कराया गया, लेकिन 5 माह बीत जाने के बाद भी मुआवजा राशि प्रदान नहीं किया गया है। मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं और मुआवजा नहीं मिलने से आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने जल्द मुआवजा राशि दिलाने की मांग की । इस पर कलेक्टर ने ईई लोक निर्माण विभाग सेतु को तत्काल कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम पंचायत अरसनारा के ग्रामीणों ने बिना अनुमति अवैध मुरूम खनन की शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि गौटनिन तालाब में पिछले एक माह से जेसीबी और ट्रकों के माध्यम से बड़े पैमाने पर खनन किया जा रहा है, जिससे राजस्व नुकसान और सड़क क्षति हो रही है। तालाब में पानी नहीं होने से जल संकट बढ़ गया है तथा पशुओं और ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने खनिज विभाग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम खम्हरिया निवासी कृषक ने भुईया ऑनलाइन पोर्टल में नाम सुधार कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2011 में राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण होने के बावजूद पोर्टल पर अब भी उनके दिवंगत पिता का नाम दर्ज है। इससे धान बिक्री पंजीयन, किसान क्रेडिट कार्ड और एग्रीस्टेक पंजीयन में परेशानी हो रही है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बीजापुर में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी, माओवादियों के पुराने डंपों से 65.52 लाख कैश बरामद

नई दृष्टिबिंदु / बीजापुर

जिले में सुरक्षा बलों ने माओवादियों के पुराने ठिकानों और डंपों से भारी मात्रा में नकदी, हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए हैं। आज की कार्रवाई में 65.52 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। वर्ष 2024 से अब तक कुल 20 करोड़ 8 लाख 52 हजार रुपये की संपत्ति बरामद हुई है, जिसमें 7.2852 करोड़ रुपये नकद और 8.20 किलोग्राम सोना शामिल है।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप बीजापुर को नक्सलमुक्त करने का अभियान जारी है। विगत एक माह से जिला पुलिस, डीआरजी, कोबरा और सीआरपीएफ के संयुक्त दलों ने सघन सर्चिंग अभियान चलाया।

ग्रामीणों के सहयोग और आसूचना तंत्र से नक्सलियों के छिपाए गए डंपों का पता चला। इन डंपों से एलएमजी, एसएलआर, कार्बाइन रायफल सहित 32 हथियार और नक्सल संबंधी सामग्री मिली है। संयुक्त कार्रवाई में 65 लाख 52 हजार रुपये नकद राशि के साथ विभिन्न प्रकार के घातक हथियार और कारतूस भी मिले।

पामेड़ क्षेत्र में माओवादी डंपों से बरामद 40 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट और नेशनल पार्क क्षेत्र से 100 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट तथा यूरिया को नष्ट किया गया। इस कार्रवाई से नक्सलियों की लॉजिस्टिक आपूर्ति, हथियार आपूर्ति तंत्र और आईईडी निर्माण क्षमता को गंभीर क्षति पहुंची है। जिला पुलिस बीजापुर भविष्य में भी ऐसे सघन और प्रभावी अभियान जारी रखेगी।

यह सफलता नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वर्ष 2024 से अब तक सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई में 234 माओवादी मारे गए हैं। इस अवधि में 1192 गिरफ्तार और 1003 पुनर्वासित किए गए हैं। साथ ही, कुल 517 हथियार और 1092 आईईडी भी बरामद किए गए हैं।

शासन की मंशा के अनुसार, बीजापुर निरंतर नक्सलमुक्ति की ओर अग्रसर है। सुरक्षा बलों को ग्रामीणों के सहयोग और मजबूत आसूचना तंत्र से निर्णायक सफलता मिली है। आम जनता और ग्रामीणजनों से अपील है कि वे संदिग्ध सामग्री या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। इससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी।

बेमेतरा के खिलाड़ियों ने राज्यस्तरीय किकबॉक्सिंग स्पर्धा में जीते 31 पदक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कोरबा में 10 मई से 12 मई 2026 तक आयोजित 13वीं छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिताझ2026 में बेमेतरा की The WarCry Martial Arts & Self Defence Academy के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में अकादमी एवं जिले के कुल 18 खिलाड़ियों ने भाग लिया और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए कुल 31 पदक अपने नाम किए। इनमें 12 स्वर्ण पदक, 10 रजत पदक एवं 09 कांस्य पदक शामिल हैं।

प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने के उपरांत खिलाड़ियों ने पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू से सौजन्य भेंट की। इस दौरान खिलाड़ियों ने उन्हें किकबॉक्सिंग खेल एवं प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी प्रदान की। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, नियमित अभ्यास एवं दृढ़ संकल्प अत्यंत आवश्यक हैं। खिलाड़ियों को खेल भावना बनाए रखते हुए नशा एवं अन्य गलत गतिविधियों से दूर रहने तथा अपने लक्ष्य के प्रति पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं भी प्रदान कीं। इस अवसर पर अकादमी के निर्देशक एवं हेड कोच सेंसई भानुप्रताप साहू, टीम मैनेजर सत्या राजपूत, विवेक पोल, दीपक मेघवानी, श्रीमती भाग्यश्री पोल, डॉ. रमेश धनगर, श्रीमती शिल्पा राठी, धर्मेंद्र ढींगरा एवं श्रीमती नम्रता साहू सहित अन्य अभिभावक गण एवं कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

पदक विजेता खिलाड़ी:- आनाया शर्मा - 2 स्वर्ण पदक, भावी टंडन - 2 स्वर्ण पदक, यशस्वी वर्मा-2 स्वर्ण पदक, भौमिक जंगड़े -1 स्वर्ण, 1 रजत पदक, वसुंधरा शुक्ला-1 स्वर्ण, 1 रजत पदक, आस्था वर्मा-1 स्वर्ण, 1 कांस्य पदक, वतिर्का कश्यप-1 स्वर्ण, 1 कांस्य पदक, सिद्धार्थ मोटवानी-1 स्वर्ण, 1 कांस्य पदक, तेजस वर्मा-1 स्वर्ण पदक, चन्द्रमादित्य तिवारी-1 रजत, 1 कांस्य पदक, आरव सिन्हा-2 रजत पदक, अंश सिंह बैस-2 रजत पदक, भारीकांश बांधे-1 रजत पदक, राजवीर वर्मा-1 रजत पदक, रूद्र चौहान-1 रजत पदक, सर्वेश पोल-2 कांस्य पदक, आरुषि बंजारे-2 कांस्य पदक और भाग्यश्री वैष्णव-1 कांस्य पदक शामिल हैं।

अंबिकापुर के पेट्रोल पंप मैनेजर से लूट, चार आरोपी हुए गिरफ्तार

नौकरी से निकाले जाने का बदला लेने बनाई थी योजना, दो बाइक व 61 हजार से अधिक की नकदी

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

वेदिका पेट्रोल पंप के मैनेजर से 61,670 रुपये की लूट करने वाले चार आरोपियों को दरिमा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक और एक्टिवा स्कूटी जब्त की है। मुख्य आरोपी दुर्गेश उर्फ यश ईमालिया पेट्रोल पंप का पूर्व कमर्चारी है, जिसे बिना अनुमति 30 हजार रुपये लेने पर नौकरी से निकाल दिया गया था।

नचाई चौक पर रोकर की थी लूट

7 मई को प्रार्थी शिवचंद वर्मा निवासी गांधीनगर, कुम्हारता नचाई स्थित वेदिका पेट्रोल पंप से हिसाब कर 61,670 रुपये लेकर अंबिकापुर जा रहे थे। नचाई चौक के पास दो मोटरसाइकिल पर आए चार नकाबपोश युवकों ने उन्हें रोका। गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और नकदी, मोबाइल, हिसाब की डायरी व मोटरसाइकिल लूटकर फरार हो गए। पीड़ित ने थाना दरिमा में रिपोर्ट दर्ज कराई।

सीसीटीवी से मिली पहचान

थाना दरिमा में धारा 309(3) इठर के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने दरिमा से गांधीनगर के बीच लगे सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में मिले हुलिये के आधार पर आरोपियों की पहचान दुर्गेश उर्फ यश ईमालिया, आकाश झारिया, निशांत नगेसिया और एक अन्य के रूप में हुई।

नौकरी से निकाले जाने की रंजिश

13 मई को पुलिस ने दुर्गेश उर्फ यश ईमालिया, 22 वर्ष, निवासी प्रतापपुर नाका को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह पहले वेदिका पेट्रोल पंप पर काम करता था। शादी के लिए बिना अनुमति 30 हजार रुपये लेने पर पंप मालिक ने उसे निकाल दिया था। इसी रंजिश में साथियों के साथ लूट की योजना बनाई।

तीन गिरफ्तार, एक बाल न्यायालय में पेश

दुर्गेश की निशानदेही पर आकाश झारिया, 20 वर्ष, निवासी मिशन चौक और निशांत नगेसिया, 20 वर्ष, निवासी प्रतापपुर नाका को भी गिरफ्तार किया गया। तीनों ने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों से पल्सर बाइक CG15DX5401 और एक्टिवा स्कूटी CG15EH7025 जब्त की गई। तीन आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया, जबकि विधि से संघर्षरत बालक को बाल न्यायालय में पेश किया गया।

कार्रवाई में थाना प्रभारी राजेश खलखो, गांधीनगर थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी, साइबर सेल प्रभारी, एएसआई अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, जयदीप सिंह समेत पुलिस टीम की भूमिका रही।

11 महीने बाद मां से लिपटकर फूट-फूटकर रोई बेटी फील परमार्थम में दिखा ममता का मार्मिक मिलन

पति के अपहरण के बाद मानसिक पीड़ा झेल रही मां को खोजने भटकती रही पूजा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेक्टर-1 स्थित फील परमार्थम आश्रम में मंगलवार को ममता और करुणा का ऐसा दृश्य दिखा कि हर आंख नम हो गई। ग्यारह महीने से बिछड़ी मां को सामने देख बेटी पूजा दौड़कर लिपट गई और फूट-फूटकर रो पड़ी। कांपते हाथों से कभी मां के आंसू पोंछती, कभी माथा चूमती, तो कभी पैरों में गिरकर बिलखने लगती। बिहार के भागलपुर की बबीता देवी और बेटी पूजा की यह मुलाकात जुदाई, संघर्ष और अटूट प्रेम की मिसाल बन गई।

32 साल का दर्द : पति लापता, फिर भी नहीं हारी हिम्मत

32 साल पहले पूजा जब गर्भ में थी, तभी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में मैनेजर पिता पुण्यदेव सिंह का अपहरण हो गया। आज तक उनका कोई सुराग नहीं मिला। इस सदमे ने बबीता देवी की मानसिक स्थिति को झकझोर दिया। फिर भी उस अकेली मां ने मानसिक पीड़ा के बीच इकलौती बेटी पूजा को सीने से लगाकर पाला। दुनिया में दोनों एक-दूसरे का ही सहारा थीं।

3 जून 2025 को लापता हुई थीं बबीता

65 वर्षीय बबीता देवी 3 जून 2025 को मायके जगतपुर, बांका जाने के लिए निकली थीं। पूजा से कहा था कि दस दिन में लौट आएंगी, लेकिन अचानक लापता हो गई। इकलौते सहारे को खोकर पूजा तड़प उठी। उसने भागलपुर, पूणिर्या, कटिहार और नौगछिया समेत दर्जनभर वृद्धाश्रमों की खाक छानी। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर पागलों की तरह भटकती रही। ऑटो, बसों और दीवारों पर पोस्टर चिपकाए। थानों में घंटों बैठी रही कि शायद पुलिस मदद कर दे।

नौकरी छोड़ बिना रिजर्वेशन दौड़ी बेटी

11 मई की सुबह बांका पुलिस से फोन आया कि मां भिलाई के आश्रम में है। पूजा से एक पल का इंतजार न हुआ। कोचिंग इंस्टिट्यूट ने छुट्टी देने से मना किया तो बोली, नौकरी मेरी मां से बढ़कर नहीं। तपती गर्मी में बिना रिजर्वेशन साउथ बिहार एक्सप्रेस की जनरल बोगी में बैठकर मां से मिलने दौड़ पड़ी।

कचांदुर मोड़ पर मिलीं, जगतपुर नाम से मिला सुराग

उधर भिलाई से 15 किमी दूर कचांदुर मोड़ के पास बबीता देवी विक्षिप्त हालत में मिलीं। फील परमार्थम के मुख्य सेवक अमित राज उन्हें आश्रम ले आए। बबीता घर जाने के लिए तड़पती रहीं, बार-बार कहतीं, मुझे घर जाना है, गेट खोल दो। लेकिन पता-ठिकाना नहीं बता पा रही थीं। 10 मई को उनकी स्मृति में जगतपुर बांका का नाम कौंधा। अमित की टीम ने तुरंत बांका पुलिस को सूचना दी।

फील परमाथर्म : 55 लोगों को मिला चुका परिवार

फील परमार्थम मानसिक रूप से विक्षिप्त और अपनों से बिछड़े लोगों का सहारा बना है। यहां अब तक 200 से अधिक लोगों को आश्रय मिला। अमित और उनकी टीम 55 लोगों को परिवार से मिला चुकी है। वर्तमान में सेंटर में 96 लोग रह रहे हैं। 39 लोगों के निधन पर साथियों ने अंतिम संस्कार किया। समाजसेवियों के सहयोग से संचालित सेंटर में भोजन और चिकित्सकीय सुविधाएं नियमित हैं।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100